नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

आज का विचार

‘सफलता के लिए पसीने से नहाना पड़ता है। गलतियों से सीखें, अहंकार से बचें।



वर्ष : 01 | अंक : 46 | नोएडा, सोमवार, 16 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

डीके शिवकुमार बोले-मेरे पास पैसे नहीं थे,दोनों ने मेट्रो में किया था सफर

पीएम मोदी ने खरीदी थी कर्नाटक सीएम के लिए टिकट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मेट्रो यात्रा के दौरान उनके पास टिकट खरीदने के पैसे नहीं थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपना टिकट खरीदने के लिए कहा। इसके बाद मोदी ने उनका टिकट भी अपने स्मार्ट कार्ड से स्वाइप करके खरीदा। यह किस्सा शिवकुमार ने पत्रकारों के साथ पिंक लाइन मेट्रो में यात्रा के दौरान सुनाया।



प्रधानमंत्री मोदी ने 13 नवंबर को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया था। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की विज्ञप्ति के अनुसार, शिवकुमार ने केंगेरी से किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी तक मेट्रो में सफर किया।

कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी लाइन

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी। इस रूट को करीब 3,470 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। पिंक लाइन शुरू होने से बेंगलुरु में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोगों को इस रूट पर रोजाना आने-जाने में आसानी होगी। इससे यात्रा का समय भी कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवकुमार ने पहले टिकट काउंटर से मेट्रो टिकट लिया था। मेट्रो में यात्रा के दौरान दोनों नेता साथ में बातचीत करते नजर आए।

अखिलेश चिंता न करें,तीसरी पारी में और भी नौकरियां देंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कहा- हमने 9.5 साल में 9.50 लाख नौकरी दी तो अखिलेश यादव ने पूछा कि अब क्यों नहीं दे रहे। मैंने कहा- आपकी यह चिंता नहीं होनी चाहिए। बल्कि, यह चिंता करिए कि आपको 4 बार मौका मिला, लेकिन क्यों नहीं दे पाए। सीएम ने कहा- 22 सितंबर से अब तक हजारों जॉइनिंग लेटर बांट चुके हैं। आने वाले समय में और भी नौकरी देने जा रहे हैं। मैंने समाजवादी पार्टी के मुखिया को आश्वस्त कर दिया है कि चिंता मत करिए। तीसरी पारी आएगी तो नौकरियों में और भी चौके-छक्के लगाएंगे। योगी ने 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की।

दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

परिसीमन समेत कई विधेयक पर होगी चर्चा, सरकार हुई ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो सकता है। सरकार एक ऐसा संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिश में है, जो महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ता है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना विरोध तेज करने की तैयारी कर रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, प्रस्तावित कानून के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इससे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना संभव हो सकेगा। सरकार के शीर्ष स्तरों पर सत्र की संभावित तारीखों को लेकर चर्चा चल रही है।

सरकार के लिए जरूरी समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती

हालांकि, इस विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती है। संविधान संशोधन के लिए सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन का अवश्यकता होती है। वर्तमान लोकसभा में, तीन सीटें खाली हैं, ऐसे में अगर सभी 540 सदस्य मतदान करते हैं, तो दो-तिहाई बहुमत के सिए 361 वोटों की जरूरत होगी। सत्ताधारी एनडीए के पास 320 सदस्य हैं, इसलिए जरूरी आंकड़ा छूने के लिए उसे विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता होगी। हालांकि, सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को भरोसा जताया कि विधेयक 15 से 18 वोटों के अंतर से पारित हो जाएगा। **एसआईआर को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव**- इस विधायी पहल के साथ-साथ, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच एक नया टकराव भी देखने को मिल सकता है। विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की आलोचना तेज कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3



अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के पास नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र के 1,000 फीट के दायरे में शराब की दुकान को स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने आंगनबाड़ी केंद्रों को शिक्षण संस्थान की श्रेणी में रखते हुए कहा कि वहां बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जाती है इसलिए इन केंद्रों को भी शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति शंपा सरकार और न्यायमूर्ति पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ ने एकल पीठ



के पूर्व फैसले को बरकरार रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मामला हुगली जिले की सराय तीनार ग्राम पंचायत के तीनार मौजा का है। यहां एक व्यक्ति किराये के मकान में विदेशी शराब की दुकान चलाता था। बाद में उसने अपनी जमीन पर दुकान स्थानांतरित करने के लिए राज्य के आबकारी विभाग से अनुमति मांगी। प्रस्तावित जगह के पास आंगनबाड़ी केंद्र होने के कारण विभाग ने आवेदन खारिज कर दिया। इसके बाद दुकानदार ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

घाटी में पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

बीजेपी विधायक बोलीं-हमारे शहीदों का अपमान ठीक नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं। शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी



सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो एसएचओ के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है।

जंगल में गोलियों से छलनी मिले थे शव हथियार भी गायब

11 नवंबर की दोपहर मरवाह के देहरना जंगल में गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद से ही दोनों एसएचओ लापता थे। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शव गोलियों से छलनी मिले। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब थे।

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते वापस पुणे लौटी

लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका था,एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित



पुणे (एजेंसी)। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया।

पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।

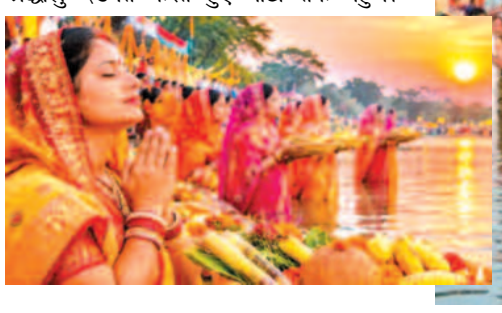
यात्रियों को गुवाहाटी भेजने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी। लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है। उड़ान भरने के बाद ये पहिए विमान के अंदर चले जाते हैं, ताकि हवा में उड़ते समय रुकावट न हो।

दिल्ली से यूपी-बिहार तक छठ पूजा की धूम

बिहार में 10 हजार से ज्यादा घाटों पर की गई छठ की पूजा डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य,50 लाख प्रवासी घर लौटे

पटना (एजेंसी)। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे।





राजधानी पटना में गंगा नदी के 100 से ज्यादा घाटों पर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई थी। इनमें तीन घाटों के पास अस्थाई तालाब भी बनाए गए। इनमें 500 व्रती एक साथ अर्घ्य दे सकते हैं। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं। सीतामढ़ी के ग्रामीण क्षेत्रों में छठ सादगी और सरलता से मनाया जा रहा। लोक आस्था के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जा रहा है। शहर में जिला प्रशासन,ग्रामीण क्षेत्रों में खुद ग्रामीणों ने छठ घाट का निर्माण किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की खुशहाली की कामना

छठ महापर्व की बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा,छठ पूजा की शुभकामनाएं लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर, में देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमाटी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है। इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा-जय छठी मइया!

छठ महापर्व की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए, साथ ही समाज में सद्भाव एवं समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे। सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित हो। जय छठी मइया! गृह मंत्री अमित शाह ने छठ की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, श्रद्धा और समर्पण के महापर्व छठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्य उपासना और लोक आस्था का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और आरोग्य लेकर आए। छठी मैया की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

पॉक्सो आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते से केस खत्म नहीं

केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला,पॉक्सो मामलों कह दी बड़ी बात नाबालिग पीड़िता के बालिग होने से अपराध की प्रकृति नहीं बदलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने वाले कानून को लेकर केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया कि आरोपी और पीड़ित के बीच आपसी सहमति या समझौता होने से पॉक्सो का मुकदमा सामान्य रूप से खत्म नहीं किया जा सकता। यह फैसला इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले केरल हाईकोर्ट की अलग-अलग एकल पीठ इस सवाल पर अलग राय दे चुकी थीं। केरल हाई कोर्ट की दो जजों की पीठ ने अब इस कानूनी सवाल पर अपना रुख साफ किया है। केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने, जिसमें जस्टिस राजा विजयराघवन वी. और जस्टिस के.वी. जयकुमार शामिल थे, पॉक्सो के मामलों पर एक बड़ी बात कही है। उनके अनुसार नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज होता है, केवल आपसी समझौते के आधार पर सामान्य रूप से रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि यह नियम कम गंभीर माने जाने वाले आरोपों पर भी, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज है, उन पर भी लागू होता है। यह मामला 49 साल के एक मदरसा शिक्षक से जुड़ा था। उस पर छात्रा के साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा।



भाजपा नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की

आज हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके पुष्पांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रदेश पदाधिकारी राजेश भाटिया, प्रवीण शंकर कपूर, रंजीत कश्यप, नरेश वशिष्ठ, मनोज कुमार जाटव, संतोष ओझा, संतोष पाल, सीएल मीणा, राजेश गोयल, राजन तिवारी, अमित गुप्ता, सत्येंद्र सिंह आदि ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस



अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और स्वाभिमान के प्रतीक थे। उनके उलगुलान आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत को हिलाकर रख दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने बिरसा मुंडा के सम्मान में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। मल्होत्रा ने कहा की आज हम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। वे केवल आदिवासी समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेते हुए जनजातीय समाज के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। एकलव्य मॉडल स्कूल, वन धन योजना और जनजातीय गौरव दिवस इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने हमें अत्याचार के सामने झुकना नहीं सिखाया है। उनका जीवन त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। दिल्ली भाजपा उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का संकल्प लेती है।

मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

बोलीं- जनजातीय समाज में नई चेतना जगाई

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद दिल्लीवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरक संबोधन सुना। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दशकों तक उपेक्षित रहे जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उसकी भुला दी गई गौरवशाली विरासत, अस्मिता और महानायकों को राष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। पीएम जनमन और धरती आबा अभियान इसी संकल्प को धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान



बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा बिगुल फूंका, जिसने जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की नई चेतना जगाई। जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए उनका संघर्ष केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव और अस्मिता का संघर्ष था।मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, तप और बलिदान भारत की महान जनजातीय विरासत का अमर अध्याय है। इस अवसर पर विधायक तरविंदर सिंह मारवाह, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कश्यप, सुनील चौहान एवं निगम पार्षद अर्जुन मारवाह सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

छठ पूजा पर आज सुबह 4:30 बजे से शुरू होगी मेट्रो सेवाएं

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) छठ पूजा के ऊषा अर्घ्य के अवसर पर सोमवार को सुबह 4:30 बजे से मेट्रो सेवाएं शुरू करेगा। सामान्य दिनों में मेट्रो सेवाएं सुबह 6:00 बजे शुरू होती हैं। सभी टर्मिनल स्टेशनों से शुरू होने वाली मेट्रो ट्रेनें नियमित समय-सारिणी लागू होने तक सभी लाइनों पर 15 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेंगी। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने रविवार को कहा कि इस विशेष व्यवस्था से छठ महापर्व पर ऊषा अर्घ्य देने के लिए जाने वाले दिल्ली और पूर्वांचल के लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। दिल्ली सरकार छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।



दिल्ली सरकार ने बिरसा मुंडा के बलिदान और संघर्ष को किया नमन

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क में दीपोत्सव एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली के समाज कल्याण एवं एससी-एसटी कल्याण, अन्य पिछड़ा वर्ग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा दीप प्रज्वलित कर उनके बलिदान, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति योगदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि आज हम सभी को आजाद भारत में जन्म लेने और भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान व्यक्तित्व की जयंती मनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और अस्मिता के महान प्रतीक थे। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश की स्वतंत्रता और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया।



उन्होंने शोषित, वंचित और गरीब वर्गों के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ समाज में समरसता एवं स्वाभिमान की चेतना जागृत की। उनका जीवन आज के युवाओं के लिए भी देशभक्ति, संघर्ष और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरणा है।

सिंह ने कहा कि वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय जनजातीय समाज के इतिहास और योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर वर्ष 2024-25 को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया गया, जिसमें देशभर में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज जनजातीय गौरव दिवस जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं, वीरता और राष्ट्र निर्माण में योगदान को सम्मान देने का राष्ट्रीय अभियान बन चुका है।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि दिल्ली पूरे देश की आत्मा और सामूहिक सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। यहां जनजातीय समाज के लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं और उनकी संस्कृति एवं परंपराएं दिल्ली की विविधता को समृद्ध बनाती हैं। पिछले वर्ष दिल्ली में जनजातीय समाज का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसने जनजातीय समुदाय की गौरवशाली उपस्थिति और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय राजधानी में विशेष पहचान दिलाई।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिरसा मुंडा की जयंती की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव जैसे आयोजन इसी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में अनेक सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, जबकि वर्तमान सरकार दिल्ली के पर्वों, परंपराओं और महान विभूतियों की जयंती को सम्मानपूर्वक मनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। दीपोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बिरसा मुंडा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यमुना के तट हुए छठमय, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 15 को अस्ताचलगामी सूर्य को देंगी अर्घ्य

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना के तटों से लेकर विभिन्न इलाकों में बने छठ घाटों तक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण दिखाई दे रहा है। पूर्वांचल की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा से जुड़े इस महापर्व को लेकर दिल्ली सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं छठ पर्व की व्यवस्थाओं पर नजर रख रही हैं। वह रविवार और सोमवार को राजधानी के दो प्रमुख छठ घाटों पर पहुंचकर व्रतियों और श्रद्धालुओं के बीच रहेंगी तथा सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना करेंगी। मुख्यमंत्री रविवार (15 नवंबर) को सोनिया विहार स्थित छठ घाट पहुंचेंगी। यहां वह छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात करेंगी तथा उनके साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य



अर्पित करेंगी। इस दौरान वह भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर देश और दिल्ली की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना भी करेंगी। इसके अगले दिन 16 नवंबर, सोमवार की सुबह मुख्यमंत्री आईटीओ स्थित हाथी घाट पहुंचेंगी। यहां वह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना करेंगी। दोनों अवसरों पर मुख्यमंत्री का श्रद्धालुओं के बीच पहुंचना छठ महापर्व के प्रति उनकी आस्था और इस पर्व से जुड़े लाखों लोगों के साथ उनके आत्मीय जुड़ाव को भी दर्शाएगा। दिल्ली सरकार ने राजधानी में 1400 से अधिक छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने और सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य की उपासना के लिए इन घाटों पर विशेष आयोजन किए गए हैं। इनमें यमुना नदी के किनारे बनाए गए प्रमुख घाटों के साथ उत्तरी दिल्ली की मुनक नहर पर विकसित 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट भी शामिल है। इस घाट को श्रद्धालुओं की सुविधा और छठ की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा व सहजता के साथ इस महापर्व को मना सकें। मुख्यमंत्री छठ पर्व की तैयारियों को लेकर लगातार जनप्रतिनिधियों, विभिन्न जिलों के अधिकारियों, दिल्ली नगर निगम और अन्य संबंधित निकायों के संपर्क में हैं। भी उन्होंने जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर घाटों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छठ घाटों पर आने वाले किसी भी व्रती या श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए हैं कि बड़े छठ घाटों पर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मौजूद रहें।

तरन तारन में बस हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, घायलों के स्वस्थ्य होने की कामना की

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पंजाब के तरन तारन जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां करीब 4 बजे नेशनल हाईवे-54 पर श्रद्धालुओं को ले जा रही दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख प्रकट किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि पंजाब के तरन तारन में हुए हादसे में लोगों की जान जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। इस दुखद हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द से जल्द स्वस्थ हों। जानकारी के अनुसार, दोनों बसें राज्य की तीर्थयात्रा



योजना के तहत श्रद्धालुओं को ले जा रही थीं, और इनमें कुल 37 लोग सवार थे।

ये श्रद्धालु अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे, तभी नौशेरा के पास यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि एक बस का चालक मोटरसाइकिल सवारों को बचाने की कोशिश में अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क के डिवाइडर को पार करके सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे कई यात्री घायल हो गए और बसों के अंदर फंस गए।

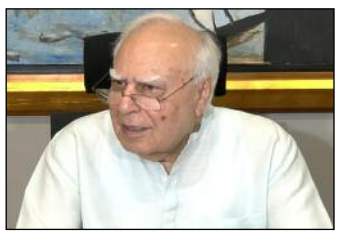
हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत वहां पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया, उन्होंने क्षतिग्रस्त बसों में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि बस में करीब 37 लोग (श्रद्धालु) सवार थे।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, एक बस के ड्राइवर ने सड़क पर मौजूद कुछ मोटरसाइकिल सवारों को बचाने की कोशिश की। ऐसा करने के चक्कर में उसका गाड़ी से नियंत्रण हट गया और बस डिवाइडर पार करके दूसरी तरफ की सड़क पर चली गई। इसके बाद वह सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और फंसे हुए यात्रियों की चीखें पूरे इलाके में गूंजने लगीं।

ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से सपा-कांग्रेस को होगा नुकसान : कपिल सिब्बल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन पर तंज कसा। उन्होंने कहा क नया गठबंधन है, चुनाव लड़ेंगे तो कुछ वोट जरूर मिलेंगे, लेकिन सभी को मालूम है कि सरकार नहीं बना पाएंगे। उन्होंने खुले तौर पर कहा कि इससे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को ही नुकसान होगा। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन होने से सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। जहां भाजपा ने दावा किया है कि इस गठबंधन से उनके चुनावी अभियान को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वहीं, चंद्रशेखर आजाद और ओवैसी के गठबंधन ने ऐलान किया है कि वे 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आजाद ने सपा और कांग्रेस को भी इस गठबंधन के साथ आने को कहा था। इसी बीच, नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि ओवैसी और चंद्रशेखर



आजाद ने गठबंधन कर लिया है और दावा किया वे 430 सीट पर लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बाकी पार्टियां भी जुड़ सकती हैं, लेकिन उन्होंने फेस चंद्रशेखर को चुना है और एक मोर्चा बनाया है। सिब्बल ने कहा कि जाहिर सी बात है कि यह नई पार्टी, नया गठबंधन है, इसे ज्यादा वोट नहीं मिलेंगे और सरकार भी इनकी नहीं बनेगी। अल्पसंख्यक और दलितों के वोट जरूर मिलेंगे। यह वोट हार जीत में बड़ा रोल निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर हमेशा भाजपा के खिलाफ बोलते हैं, सभी के हिसाब से भाजप को वोट नहीं पड़ेंगे। जो वोट सपा-कांग्रेस को जाने चाहिए, वे ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन को जाएंगे। इससे नुकसान सपा-कांग्रेस को ही होगा। सिब्बल ने कहा कि इस गठबंधन के बाद से कई दलों ने दावा किया है कि यह भाजपा के इशारे पर हुआ है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं, लेकिन इतना अनुमान लगा सकता हूं कि इससे सपा और कांग्रेस को नुकसान होगा। अच्छी बात यह है कि वह भी भाजपा को हराना चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इससे भाजपा को लाभ हो सकता है। उन्होंने कहा कि आगे निश्चित रूप से सवाल तो उठेगा। इसीलिए गठबंधन को सोचना चाहिए कि वह किस मकसद से लड़ने वाले हैं और इसका प्रभाव क्या होगा। एसआईआर, वोट धांधली समेत अन्य चीजों का जिक्र करते हुए सिब्बल ने कहा कि हर दिन, नई रिपोर्टें सामने आ रही हैं और तथ्य सामने आ रहे हैं और मुझे लगता है कि 2024 के चुनावों में निश्चित रूप से धांधली हुई थी। उससे पहले के चुनावों में धांधली हुई थी या नहीं, इसका डेटा अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन यह स्पष्ट है कि 2024 के चुनावों में धांधली हुई थी। मैं आपके माध्यम से देश के लोगों के सामने एक सवाल रखना चाहता हूं, क्या आपने आज तक कभी भाजपा सदस्यों को यह कहते हुए सुना है कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। हर बार विपक्षी दल के लोग ही क्यों कहते हैं कि वोट काटे गए। इसमें दो चीजें हो सकती हैं।

दिल्ली पुलिस ने तैयार किया नया ड्राफ्ट, रामलीला मैदान में भीड़, पार्किंग और ट्रैफिक पर सख्त नियम

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभा करने के नियम अब बदलने जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में होने वाले आयोजनों के लिए एक नया स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किया है। इस प्रस्तावित ड्राफ्ट में भीड़, समय, अनुमति और सुरक्षा को लेकर कई सख्त शर्तें रखी गई हैं। नए नियमों के मुताबिक, रामलीला मैदान में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही धरना-प्रदर्शन की अनुमति होगी। इसके बाद मैदान में कोई भी प्रदर्शन, रैली या जनसभा नहीं हो सकेगी। इससे आसपास के इलाकों में ट्रैफिक और आम लोगों की दिनचर्या प्रभावित नहीं होगी। ड्राफ्ट में मैदान की अधिकतम क्षमता 50 हजार लोगों की तय की गई है। यानी किसी भी हालत में 50 हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ रामलीला मैदान में नहीं जुट सकेगी। हालांकि, हर कार्यक्रम में कितने लोग शामिल हो सकेंगे, इसका फैसला कार्यक्रम की प्रकृति, संभावित भीड़ और सुरक्षा इंतजामों को देखते हुए सक्षम अधिकारी करेंगे।

पाकिस्तान से आए सिख श्रद्धालुओं की मदद कर भारत ने दुनिया को दिया सम्मान का संदेश

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान से आए सिख श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाकर भारत सरकार ने यह दिखाया कि सिख समुदाय के प्रति सम्मान केवल बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे ठोस कदमों के जरिए भी सामने लाया जाता है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की ओर से पाकिस्तान से आए सिख श्रद्धालुओं को उनकी धार्मिक यात्रा पूरी करने और सुरक्षित घर लौटने में मदद देने का फैसला दुनिया भर के सिखों को जोड़ने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भारत की ओर से दिए गए सम्मान को भी दर्शाता है। 'खालसा वॉक्स' की रिपोर्ट में कहा गया, 'विदेशों में रहने वाले कुछ सिख नेता और संगठन, जो अक्सर प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की आलोचना करते हैं, उन्हें इस उदाहरण को ध्यान से देखना चाहिए कि भारत सरकार सिख समुदाय के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता कैसे दिखाती है। यह सम्मान केवल भारत में रहने वाले सिखों तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के किसी भी हिस्से में रहने वाले सिखों, यहां तक कि पाकिस्तान में रहने वाले सिखों तक भी पहुंचता है। ' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'प्रधानमंत्री से लेकर केंद्र सरकार के मंत्रियों तक, बार-बार यह संदेश दिया गया है कि सिख धर्म, उनके धार्मिक अधिकारों और सिख गुरुओं से जुड़ी विरासत का सम्मान करना भारत की प्राथमिकताओं में शामिल है। पाकिस्तान से आए सिख श्रद्धालुओं के प्रति भारत सरकार की ओर से दिखाई गई संवेदनशीलता इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। ' पाकिस्तानी सिख श्रद्धालु भारत के ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करना चाहते थे और यहां अपने रिश्तेदारों व परिचितों से भी मिलना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अटारी बॉर्डर के रास्ते भारत आने की अनुमति मांगी थी, क्योंकि यह रास्ता उनके लिए छोटा और कम खर्चीला

एक्सप्रेस जेनिथ एओए के अध्यक्ष बने इंद्र सिंह

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-77 स्थित एक्सप्रेस जेनिथ सोसाइटी की एओए की वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है। 15 नवंबर को क्लब हाउस में हुई बैठक में इंद्र कुमार सिंह को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। चुनाव समिति के अनुसार, तीन रिक्त पदों के लिए छह से 10 नवंबर तक नामांकन प्रक्रिया चली थी। दो नए नामांकन वैध पाए गए। किसी भी उम्मीदवार ने अपना नाम वापस नहीं लिया। ऐसे में सभी नौ सदस्यों का बोर्ड निर्विरोध गठित हुआ। नई कार्यकारिणी में मनोज वर्मा उपाध्यक्ष, सुरेंद्र मोहन सिंह महासचिव और मुकेश कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष चुने गए। सुमित दुबे, संतोष कुमार सिंह, सागर लूथरा, सौरभ वर्मा और देवेंद्र सिंह बोर्ड सदस्य बनाए गए हैं। नई टीम ने सोसाइटी में पारदर्शिता, जवाबदेही, सुरक्षा और बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है।

चारों युगों की यात्रा को बच्चों ने मंच पर किया जीवंत

ग्रेनो वेस्ट स्थित प्रॉमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष समारोह की थीम द इटरनल जर्नी अक्रॉस 4 युगाज यानी चारों युगों की सनातन यात्रा रही। विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग का जीवंत चित्रण किया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए चारों युगों की विशेषताओं और वर्तमान समय की चुनौतियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रवींद्र सिंह ने कहा कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से जोड़ना जरूरी है। इस मौके पर डॉ. ऋचा सूद, प्रबंध निदेशक मयंक कुमार, निदेशक मणि कुमार आदि मौजूद रहें।

पदक विजेता छात्राओं को जेवर विधायक से सम्मान

अनप्लग इंडिया

यमुना सिटी। मंडल स्तरीय खेल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीतने वाली कंपोजिट विद्यालय तिरथली की तीन छात्राओं को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने सम्मानित किया। साथ ही प्रधानाध्यापक व कोच रौदास सिंह को बच्चों को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। पिछले साल आयोजित मंडल स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा पांच की छात्रा चंचल ने 200 और 400 मीटर दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। वहीं कक्षा चार की छात्रा आलिया ने 100 मीटर दौड़ में दूसरे पर थी। कक्षा सात की छात्रा काफिया ने गोला फेंक प्रतियोगिता में दूसरे पर थीं। इस दौरान छात्राओं ने अपने विद्यालय के खेल मैदान के सौंदर्यीकरण की मांग भी उठाई। उन्होंने विधायक को प्रार्थना पत्र सौंपा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति ने मोहा मन

जेवर रोड स्थित दुर्गा पब्लिक स्कूल में बाल दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसकी शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद बच्चों ने कविता, नृत्य, नाटक और भाषण के माध्यम से चाचा नेहरू को याद किया। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं।

एसजीएफआई टीम में श्रीजा शांडिल्य का चयन

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित इंडस वैली पब्लिक स्कूल की 10वीं की छात्रा श्रीजा शांडिल्य का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की क्रिकेट टीम मं हुआ। वह बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज टीम में शामिल हुई हैं। श्रीजा सेक्टर-62 स्थित आशीष नेहरा क्रिकेट अकादमी में कोच एनएस नेगी के मार्गदर्शन में तैयारी कर रही हैं। कोच ने बताया कि वह रोजाना स्कूल के बाद तैयारी करती हैं। नेशनल्स के लिए अपना खेल और तकनीक बेहतर करने पर जोर दे रही है। श्रीजा ने अक्तूबर में तमिलनाडु में आयोजित सीबीएसई नेशनल क्रिकेट प्रतियोगिता में नॉर्थ जॉन-1 की टीम में थीं। इससे पहले उत्तराखंड में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन-1 क्रिकेट टूर्नामेंट में श्रीजा ने अंतिम 18 में जगह बना स्वर्ण पदक जीता।

महिला कर्मचारियों को दी स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता

औद्योगिक सेक्टर साइट-5 स्थित एक कंपनी परिसर में निशुल्क स्तन कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर लगाया गया। इसका आयोजन वंदूता खुराना डैक्स इंडिया फाउंडेशन और रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में महिला कर्मचारियों को स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षणों की जानकारी दी गई। समय पर जांच कराने के महत्व के बारे में भी बताया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर में अनिल खुराना, हेमंत सेंगर, संजय सरोवर, तरुण भाटी और वेलफेयर ऑफिसर अंकिता सिंह मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने शिविर में हिस्सा लिया।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत, दूसरा घायल

अनप्लग इंडिया

दादरी। कोतवाली दादरी क्षेत्र के रूपवास बाईपास पर कार व स्कूटी की टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक शख्स की अस्पताल पहुंचने पर मौत हो गई। जबकि दूसरे का उपचार चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर स्थित एस्कॉर्ट कॉलोनी में विनय त्यागी परिवार के साथ रहते हैं। उनका भाई राहुल त्यागी व सुरेंद्र शर्मा स्कूटी पर सवार होकर बाजार से घर आ रहे थे। रूपवास बाइपास के पास स्कूटी व स्विफ्ट कार की टक्कर हो गई। टक्कर होने पर स्कूटी सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में राहुल त्यागी की मौत हो गई। जबकि सुरेंद्र शर्मा का उपचार चल रहा है। घटना की प्राथमिकी मृतक के भाई ने कार नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ दर्ज कराई है।

बोलोरो की टक्कर से बाइक सवार घायल

जारचा कोतवाली क्षेत्र के समाना नहर के समीप पिकअप व बाइक की टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि हापुड़ जनपद के नंगला काशी गांव में रामवीर सिंह परिवार के साथ रहते हैं। उनका भाई राजवीर 9 नवंबर को बाइक पर सवार होकर अपने गांव जा रहे थे। समाना नहर के समीप पहुंचे तो पिकअप गाड़ी व बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर होने पर बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के छह दिन बाद घायल के भाई ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

17 वर्षीय किशोरी को ले जाने का आरोप

बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के एक कॉलोनी से 17 वर्षीय किशोरी को बहला फुसलाकर भागकर ले जाने का आरोप है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि एक कॉलोनी में 17 वर्षीय किशोरी परिवार के साथ रहती है। उनके बराबर में एक महिला अपने दो पुत्रों के साथ रहती है। आरोप है कि पड़ोस का एक युवक 10 नवंबर को 17 वर्षीय किशोरी को बहला फुसला कर ले गया। जब उन्हें किशोरी के ले जाने के बारे में जानकारी मिली तो पीड़ित ने आरोपी की मां से शिकायत की। शिकायत करने पर आरोपी की मां व भाई ने पीड़ित को डराया धमकाया। पीड़ित ने किशोरी के भगा ले जाने के मामले में महिला समेत तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जनजातीय गौरव दिवस

बिरसा मुंडा की जयंती पर जिले में छठवां जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद किया गया। उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव प्रसारण किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी ने कहा कि बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन किया।इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी निलेश उत्पल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार, उप निदेशक कृषि विवेक दुबे और जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिले के अन्य सरकारी कार्यालयों में भी कार्यक्रम आयोजित किए

टाटा पावर का नोएडा में स्मार्ट होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का विस्तार, मोबाइल से कंट्रोल होंगी लाइट्स और बिजली के उपकरण

अनप्लग इंडिया

नोएडा। घरों को स्मार्ट, सुरक्षित और ऊर्जा के लिहाज से अधिक कुशल बनाने की दिशा में टाटा पावर ने नोएडा में अपने श्रृंखलाबद्ध ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का विस्तार किया है। कंपनी ने आधुनिक परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट होम उत्पादों की एक नई रेंज पेश की है। इसके माध्यम से लोग मोबाइल एप्लिकेशन की मदद से घर की लाइट्स और इलेक्ट्रिकल उपकरणों को कहीं से भी नियंत्रित कर सकेंगे। साथ ही बिजली की खपत पर नजर रखने और रोजमर्रा के कामों को ऑटोमेट करने की सुविधा भी मिलेगी।

टाटा पावर की यह पहल EZ Home - 100 शहर, एक उद्देश्य अभियान का हिस्सा है। इसका लक्ष्य देशभर के परिवारों तक स्मार्ट होम ऑटोमेशन तकनीक की पहुंच बढ़ाना और घरेलू स्तर पर बिजली के बेहतर इस्तेमाल को प्रोत्साहित करना है।

स्मार्ट सॉकेट से लेकर मोशन सेंसर तक कई सुविधाएं

टाटा पावर के EZ Home पोर्टफोलियो में स्मार्ट सॉकेट, टच पैनल स्विच, मोशन सेंसर और मौजूदा इलेक्ट्रिकल सिस्टम में लगाए जा सकने वाले स्मार्ट



कन्वर्टर्स शामिल हैं। इन उत्पादों को इस तरह तैयार किया गया है कि इन्हें घरों के मौजूदा इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इस्तेमाल किया जा सके।

इससे उपभोक्ताओं को स्मार्ट होम सुविधाएं अपनाने के लिए बड़े पैमाने पर री-वायरिंग या घर की संरचना में बदलाव कराने की जरूरत नहीं होगी। पुराने और नए दोनों तरह के घरों में इन तकनीकों को अपनाना अपेक्षाकृत आसान हो सकेगा।

मोबाइल से घर के उपकरणों को कर सकेंगे नियंत्रित

EZ Home के मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए उपभोक्ता घर की लाइट्स और कनेक्टेड इलेक्ट्रिकल उपकरणों को दूर से ऑन या ऑफ कर सकेंगे। इसके अलावा बिजली की खपत को रियल-टाइम में देखना और अपनी जरूरत के अनुसार उपकरणों के संचालन का शेड्यूल तय करना भी संभव होगा।

इस सुविधा से घर में मौजूद न होने पर भी उपकरणों को नियंत्रित किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार, ओवरलोड प्रोटेक्शन जैसी सुविधाएं कनेक्टेड उपकरणों की सुरक्षा में मदद करेंगी। वहीं, ऑफलाइन फंक्शनैलिटी के कारण इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी संबंधित सुविधाएं काम कर सकेंगी।

पुराने और नए दोनों घरों के लिए उपयोगी तकनीक

नोएडा में तेजी से विकसित हो रहे आवासीय क्षेत्रों, ऊंची इमारतों और पुराने रिहायशी इलाकों को देखते हुए स्मार्ट होम ऑटोमेशन की उपयोगिता बढ़ रही है। टाटा पावर के EZ Home सॉल्यूशंस नए घरों के साथ-साथ पहले से बने मकानों में भी स्मार्ट तकनीक अपनाने का विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

कंपनी की इस पहल से उपभोक्ताओं को घर की बिजली व्यवस्था को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने, उपकरणों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने और ऊर्जा की खपत को समझने में मदद मिल सकती है।

100 शहरों तक स्मार्ट होम तकनीक पहुंचाने का लक्ष्य

नोएडा में EZ Home सॉल्यूशंस का विस्तार टाटा पावर की देशव्यापी '100 शहर, एक उद्देश्य' पहल का हिस्सा है। इसके माध्यम से कंपनी भारतीय शहरों में स्मार्ट होम ऑटोमेशन और तकनीक आधारित ऊर्जा समाधानों की उपलब्धता बढ़ाने पर काम कर रही है।

टाटा पावर अपने EZ Home पोर्टफोलियो के जरिए सुविधा, सुरक्षा और ऊर्जा दक्षता को एक साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। कंपनी का उद्देश्य भारतीय परिवारों की बदलती जरूरतों के अनुरूप स्मार्ट तकनीक को अधिक सुलभ बनाना है।

गेस्ट टीचर्स को पुलिस ने हिरासत में लिया, कुरुक्षेत्र मॉक पार्लियामेंट में जा रहे थे

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। कुरुक्षेत्र में गेस्ट टीचर्स की मॉक पार्लियामेंट में रविवार को गुरुग्राम से जा रहे गेस्ट टीचर्स को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उन्हें कुरुक्षेत्र नहीं जाने दिया। गेस्ट टीचर्स ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध किया, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उनकी एक नहीं सुनी। गेस्ट टीचर्स ने इस कार्रवाई को गलत, अलोकतांत्रिक और अव्यवहारिक करार दिया है।

गेस्ट टीचर्स की मुख्य मांगों में सेवाओं को नियमित करना, नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करना, वेतन में बढ़ोतरी करना, ट्रांसफर पॉलिसी में पारदर्शिता लाना और हर साल अनुबंध नवीनीकरण की प्रक्रिया को खत्म करना शामिल है। गुरुग्राम से रविवार की सुबह कुरुक्षेत्र में मॉक पार्लियामेंट में भाग लेने के लिए बस में जा रहीं गेस्ट टीचर रितु कटारिया, विपिन यादव, रणजोत, अशोक, नरेंद्र भारद्वाज, शीतल, कुसुम, नम्रता, हेमलता, सीमा, दिनेश खटाना,



विजयपाल, रेशपाल आदि ने बताया कि रविवार की सुबह पुलिस ने कई महिला और पुरुष टीचर्स को हिरासत में लिया। लोकतंत्र ने हर किसी को अपनी मांगों को उठाने का अधिकार दिया है। वे कुरुक्षेत्र में मॉक पार्लियामेंट में जा रहे थे, लेकिन गुरुग्राम पुलिस ने उन्हें ना केवल रोका बल्कि घंटों तक हिरासत में भी रखा। सरकार के ईशारे पर की यह कार्रवाई न्यायसंगत नहीं है। हिरासत में लिए गए गेस्ट टीचर्स रितु कटारिया व अन्य का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन में जाना उनका मौलिक अधिकार है, जिसका सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन हनन कर रहा है। उन्होंने कहा कि रास 41 के राज्य प्रधान दिनेश यादव और अध्यापक संघ के प्रधान प्रभु सिंह को पुलिस ने शनिवार की रात को ही धरना स्थल से उठा लिया था। इस तरह की कार्रवाई किसी भी तरह से जायज नहीं कही जा सकती। गेस्ट टीचर्स ने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की पॉलिसी के तहत उन्हें नियमित करने के आदेश दिए हैं। सरकार को तुरंत प्रभाव से इसे लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे पिछले 21 वर्षों से सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं। उनकी सेवाओं में कभी कोई कमी दर्ज नहीं की गई। अपनी ड्यूटी को पूरी जिम्मेदारी से निभाते हैं।

युवाओं के लिए खुली निशुल्क लाइब्रेरी

अनप्लग इंडिया

यमुना सिटी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-36 के सामुदायिक केंद्र में रविवार को निशुल्क लाइब्रेरी का लोकार्पण जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किया। यहां बच्चों और युवाओं को निशुल्क सदस्यता, फ्री वाई-फाई और विभिन्न विषयों की पुस्तकों की सुविधा मिलेगी। लाइब्रेरी की स्थापना सेक्टर-36 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अजय भाटी और उनकी टीम की पहल पर की गई है। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। लाइब्रेरी से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल मिलेगा।

उधारी के चार लाख रुपये मांगने पर युवक से मारपीट का आरोप

दादरी कोतवाली पुलिस ने अजायबपुर गांव के पास से एक नाइजीरियाई महिला समेत तीन विदेशियों को हिरासत में लिया है। उनके पास वैध वीजा नहीं मिला। महिला का वीजा 11 दिसंबर को समाप्त हो गया था, जिसके बाद तीनों अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में रेघन अखेरी नामक महिला शामिल है। उसके साथ मैलेकी ओहाजिउहा और गोमेक्स नामक दो युवक भी हैं। वे मथुरापुर गांव में रहते थे। पुलिस ने दस्तावेज मांगने पर तीनों को हिरासत में लिया। तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और दूतावास को भी इसकी सूचना दी गई है।

मॉडर्न स्कूल में दो दिवसीय सम्मेलन

सेक्टर-11 स्थित मॉडर्न स्कूल में 13 और 14 नवंबर को दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशन (मॉडमुन 4.0) सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें 30 विद्यालयों के 250 विद्यार्थियों ने संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों और अन्य मंचों का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक मुद्दों, मानवाधिकार, पर्यावरण, महिला अधिकार और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर चर्चा की। सम्मेलन का उद्घाटन स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. नीरज अवस्थी ने किया। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मॉडर्न स्कूल, ग्रेटर नोएडा को सर्वश्रेष्ठ विद्यालय मंडल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

गोपाष्टमी पर निकलेगी शोभायात्रा

श्री द्रोण गोशाला समिति की ओर से मंगलवार को दसवां गोपाष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं को श्रीनाथजी के दर्शन कराए जाएंगे। समिति के कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह आठ बजे हवन से होगी। इसके बाद गोशाला परिसर में गोमाता का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा। सुबह नौ बजे प्रभात फेरी और शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

नोएडा के कई सेक्टरों में जल संकट; दोगुने तक टैंकरों के दाम, क्यों बिगड़े हालात ?

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा के कई सेक्टरों में पिछले कुछ दिनों से जल संकट बना हुआ है। गंग नहर से 100 क्यूसेक पानी की आपूर्ति बंद होने के बाद नोएडा प्राधिकरण लोगों की मांग के मुताबिक जलापूर्ति नहीं कर पा रहा। इसका असर त्योहारों के दौरान भी देखने को मिल रहा है। कई सेक्टरों में लोगों को सुबह-शाम पांच घंटे के बजाय महज दो से तीन घंटे ही पानी मिल रहा है। पानी का दबाव कम होने से दूसरी मंजिल तक भी पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

दोगुने तक पहुंचे टैंकरों के दाम

आलम यह है कि लोगों को बोतलबंद पानी और टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है। टैंकरों के दाम भी बढ़ गए हैं। जो टैंकर पहले औसतन 2000 रुपये में मिलता था, उसके लिए अब 3000 से 4000 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। नोएडा की आबादी 15 लाख से अधिक है। यहां रोजाना 400 से 450 एमएलडी पानी की मांग रहती है। प्राधिकरण गंग नहर से मिलने वाले 100 क्यूसेक गंगाजल के अलावा अन्य स्रोतों से इस मांग को पूरा करता है।

क्यों बिगड़े हालात?

गंग नहर की सफाई के चलते 21 अक्तूबर से 10 नवंबर तक पानी की आपूर्ति बंद रही। इसके कारण जलापूर्ति व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान पानी की जरूरत अधिक होती है, लेकिन प्राधिकरण पर्याप्त आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। आशंका है कि अगले कुछ दिनों



तक कई सेक्टरों में परेशानी बनी रह सकती है।

शिकायतों के बाद भी राहत नहीं

जल संकट को लेकर प्राधिकरण में शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। लोग कॉल सेंटर के साथ सोशल मीडिया पर भी अपनी समस्या उठा रहे हैं। आवासीय सेक्टरों में मांग के मुताबिक पानी नहीं मिलने पर डीडीआरडब्ल्यूए और आरडब्ल्यूए ने भी प्राधिकरण के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

सड़क पर उतरने की चेतावनी

डीडीआरडब्ल्यूए अध्यक्ष एनपी सिंह ने बताया कि प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों और प्रदेश सरकार को सेक्टरों में जल संकट की जानकारी दी जा रही है। जल्द आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो प्रदर्शन किया जाएगा।

सप्लाई प्रभावित होने से बिगड़े हालात

सेक्टर-12 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष डॉ. तरसेम चंद, सेक्टर-71 शिव शक्ति अपार्टमेंट के महासचिव संजय शुक्ला और सेक्टर-144 आरडब्ल्यूए महासचिव भगत सिंह तौंगड़ ने बताया कि उनके सेक्टरों में पहले से ही पानी की समस्या थी। गंग नहर से आपूर्ति बंद होने के बाद स्थिति और खराब हो गई है। संबंधित अधिकारियों की ओर से ध्यान नहीं दिए जाने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। जल्द समाधान नहीं हुआ तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

बोरवेल बनाने पर शुरू किया काम

फोनरवा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश तिवारी ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को गंग नहर की सफाई और आपूर्ति बंद होने की जानकारी पहले से थी। इसके बावजूद लोगों की जरूरत के अनुसार वैकल्पिक जलापूर्ति की व्यवस्था नहीं की गई। जल संकट से निपटने के लिए प्राधिकरण ने सेक्टर-11 और 12 में चार स्थानों पर 200-200 फीट गहरे बोरवेल बनाने का काम शुरू किया है। ये बोरवेल पहले से मौजूद रैनीवेल के पास बनाए जा रहे हैं।

प्रभातफेरी के साथ वेद प्रचार आपके द्वार एवं आर्य सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। राम नगर स्थित आर्य समाज राम नगर के तत्वावधान में आयोजित वेद प्रचार आपके द्वार एवं आर्य सम्मेलन का रविवार को सामूहिक प्रभातफेरी के साथ विधिवत रुप से शुभारंभ हो गया है। आयुर्वेदाचार्य डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने ओम ध्वज दिखाकर प्रभातफेरी को रवाना किया। आर्य समाज मंदिर राम नगर से प्रारंभ हुई यह प्रभातफेरी आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से भ्रमण करती हुई पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रभातफेरी के समापन पर मंदिर में सामूहिक यज्ञ और सत्संग का आयोजन हुआ। आर्य समाज के प्रधान ओम प्रकाश चुटानी ने कहा कि प्रभातफेरी से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य लाभ होता है, बल्कि मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी मिलती है। साथ ही, इससे समाज में आपसी प्रेम और भाईचारा मजबूत होता है। प्रभातफेरी के दौरान मनीषा, स्वाति, उर्मिल आर्या, प्रधाना दयावन्ति, राम लाल आर्य, प्रभु दयाल चुटानी और प्रधान ओम प्रकाश चुटानी ने वैदिक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। आयोजन समिति ने बताया कि यह विशेष धार्मिक अनुष्ठान 22 नवंबर तक चलेगा।

गाजियाबाद में भाई के साथ मारपीट का विरोध करने पर महिला की गोली मारकर हत्या, मौसेरा भाई भी घायल

अनप्लग इंडिया। डेस्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी स्थित इंदिरापुरी कॉलोनी में मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। भाई के साथ हुई मारपीट का विरोध करने पहुंची 33 वर्षीय महिला पूजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात में उसका मौसेरा भाई अमित भी गोली लगने से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और गुस्साए लोगों ने आरोपियों के घर में तोड़फोड़ की तथा बाहर खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, पूजा भाई दूज के अवसर पर अपने मायके आई हुई थी। शनिवार रात करीब 10 बजे उसका भाई अमन पड़ोसी प्रशांत उर्फ पांचाल के घर के बाहर शौच करने लगा। इस बात को लेकर प्रशांत ने उसे टोका, जिसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई।



बताया गया है कि विवाद के बाद अमन वहां से चला गया, लेकिन कुछ दूरी पर 10 से 12 लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। घायल अवस्था में घर पहुंचे अमन ने परिवार को पूरी घटना बताई।

भाई के साथ हुई मारपीट की जानकारी मिलने पर पूजा अपने मौसेरे भाई अमित के साथ शिकायत करने प्रशांत के घर पहुंची। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने दोनों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने पिस्टल से फायरिंग कर दी।

इस दौरान एक गोली पूजा के सिर में लगी, जबकि अमित भी गोली लगने से घायल हो गया। परिजन दोनों को तत्काल दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने पूजा को मृत घोषित कर दिया। अमित का उपचार जारी है।

महिला की मौत के बाद भड़का लोगों का गुस्सा

पूजा की हत्या की खबर फैलते ही परिवार और आसपास के लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ प्रशांत के घर पहुंच गई और वहां तोड़फोड़ शुरू कर दी। घर के बाहर खड़ी कार और स्कूटी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली। घर के अंदर मौजूद प्रशांत और उसके परिवार को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाकर शांत कराया।

चार थानों की पुलिस तैनात, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की गंभीरता और इलाके में तनाव को देखते हुए लोनी बॉर्डर, लोनी कोतवाली, अंकुर विहार और ट्रॉनिका सिटी थाने की पुलिस मौके पर तैनात की गई। डीसीपी ग्रामीण और एसीपी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं।

डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी के मुताबिक, मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपियों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, मामूली विवाद से शुरू हुई इस घटना में एक महिला की जान चली गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल है। फिलहाल इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है।

संपादकीय

जल, जंगल, जमीन के प्रखर प्रहरी : धरती आबा बिरसा मुंडा

मातृभूमि में जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले जननायक भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसा अप्रतिम नाम हैं। जिन्होंने अल्पायु में ही अपने शौर्य और पराक्रम से अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिले के उलीहातू गांव में माता करमी और पिता सुगना मुंडा के घर हुआ था। शुरुआती शिक्षा साल्गा गांव और चाईबासा के गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन विद्यालय में प्राप्त करने के बाद, उनका मन सदैव अपने समाज की दुर्दशा और ब्रिटिश शासन के अत्याचारों पर विचार करता रहा।



उन्नीसवीं सदी के अंतिम दशक में उनके नेतृत्व में हुआ मुंडा विद्रोह उलगुलान अर्थात महान हलचल भारतीय जनजातीय इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और बड़े विप्लवों में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक संघर्ष नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का महाअभियान था। 1894 के भीषण अकाल और महामारी के दौरान बिरसा मुंडा ने जिस निष्ठा से जनसेवा की। उसने उन्हें समाज का सर्वमान्य और आदरणीय धरती आबा, धरती के पिता बना दिया।

उनकी वैचारिक दृष्टि अत्यंत प्रखर थी। उन्होंने हिंदू और ईसाई धर्म का गहन अध्ययन कर यह महसूस किया कि आदिवासी समाज धर्मांतरण और मिशनरियों के भ्रम का शिकार हो रहा है। उन्होंने समाज को संगठित करने के साथ सनातन संस्कृति से जोड़ने का कार्य किया। 28 जनवरी 1898 को निकाली गई चुटिया यात्रा इसका ऐतिहासिक प्रमाण है। जिसके माध्यम से उन्होंने मुंडा वनवासियों में तुलसी पूजा की परंपरा की शुरुआत की। जो आज भी उनकी सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल वैचारिक नहीं, अपितु प्रत्यक्ष सशस्त्र क्रांति था। वर्ष 1897 में उन्होंने अपने चार सौ तीर-कमानधारी साथियों के साथ खूंटी थाने पर हमला बोल दिया। 1898 में अंग्रेजी सेना के साथ उनका कड़ा संघर्ष हुआ। जनवरी 1900 में डोम्बरी पहाड़ पर एक जनसभा को संबोधित करते समय अंग्रेजों ने बर्बरता की हदें पार करते हुए महिलाओं और बच्चों तक को निशाना बनाया। अंततः फरवरी 1900 में चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर रांची कारागार में डाल दिया। मात्र 25 वर्ष की आयु में, 07 जून 1900 को अंग्रेजों ने उन्हें कथित रूप से धीमा जहर देकर असमय मौत के मुंह में धकेल दिया।

भले ही अंग्रेजों ने शारीरिक रूप से धरती आबा को हमसे छीन लिया। परंतु उनके बलिदान ने देशवासियों में ऐसी क्रांति की अलख जगाई कि अंततः भारत ने अपनी मातृभूमि से विदेशी शासन का नामोनिशान मिटा दिया। वे केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि भविष्य-द्रष्टा, समाज सुधारक और सनातन परंपरा के सच्चे अग्रदूत थे। उनके अद्वितीय योगदान को सम्मान देते हुए उनकी जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना पूरे देश के लिए प्रेरणास्पद और गौरवशाली कदम है। ऐसे महान क्रांतिचेत्ता और अपराजेय योद्धा को शत-शत वीरांजलि!

बिरसा मुंडा : जिसकी हुंकार से हिल उठा था अंग्रेजी शासन



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक नई दिल्ली

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल उन आंदोलनों और क्रांतिकारियों की गाथा नहीं है, जिनका उल्लेख देश की प्रमुख ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलता है। इस इतिहास की एक महत्वपूर्ण धारा जंगलों, पहाड़ों और गाँवों में रहने वाले उन जनजातीय समुदायों के संघर्ष से भी निर्मित हुई है, जिन्होंने अपनी धरती, संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। इन जननायकों में भगवान बिरसा मुंडा का नाम अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने बहुत कम आयु में जिस साहस, संगठन क्षमता और सामाजिक चेतना का परिचय दिया, वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान रखता है। बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि सामाजिक सुधारक, धार्मिक चेतना के संवाहक और जनजातीय अस्मिता के महान प्रतीक भी थे।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के वर्तमान खूंटी जिले के उलिहातू गाँव में बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हातू था। उनका परिवार साधारण आर्थिक स्थिति वाला था। बचपन से ही उन्होंने अपने समाज को गरीबी, अभाव, सामाजिक भेदभाव और शोषण की परिस्थितियों में जीवन बिताते देखा। जंगल और जमीन जनजातीय समाज के जीवन का आधार थे। खेती, पशुपालन, वन उपज और सामुदायिक परंपराओं से उनकी आजीविका चलती थी। लेकिन अंग्रेजी शासन की नीतियों ने इस परंपरागत जीवन व्यवस्था को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। जंगलों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ रहा था और जनजातीय समुदायों के पारंपरिक भूमि अधिकार कमजोर किए जा रहे थे। बाहरी जमींदारों, ठेकेदारों और साहूकारों का हस्तक्षेप भी बढ़ता जा रहा था। परिणामस्वरूप अनेक परिवार अपनी ही पुश्तैनी जमीन पर पराए होते जा रहे थे।

बिरसा ने इस अन्याय को केवल आर्थिक समस्या के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपने समाज की अस्मिता और अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न माना। उन्होंने अनुभव किया कि जब किसी समुदाय से उसकी जमीन, जंगल और सांस्कृतिक पहचान छीन ली जाती है, तब उसका पूरा जीवन संकट में पड़ जाता है। यही अनुभव आगे चलकर उनके संघर्ष की आधारशिला बना।

बिरसा मुंडा का व्यक्तित्व केवल राजनीतिक विद्रोह तक सीमित नहीं था। वे अपने समाज में फैली सामाजिक बुराइयों को भी दूर करना चाहते थे। उन्होंने लोगों को स्वच्छता, संयम, नैतिकता, आपसी एकता और पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अंधविश्वास, नशाखोरी और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की प्रेरणा दी। वे चाहते थे कि जनजातीय समाज अपनी मौलिक पहचान को समझे और बाहरी दबावों के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो। उनकी शिक्षाओं से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग उनके अनुयायी बने। उनके अनुयायियों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक धरती आबा अर्थात धरती का पिता कहना शुरू किया। उनके धार्मिक और सामाजिक विचारों से बिरसाइत परंपरा का विकास हुआ।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में बिरसा मुंडा का प्रभाव तेजी से बढ़ने लगा। उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित करते हुए अन्यायपूर्ण शासन व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई। उनका उद्देश्य केवल अंग्रेजी सत्ता का विरोध करना नहीं था, बल्कि ऐसी व्यवस्था स्थापित करना था जिसमें जनजातीय समुदाय अपने सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का संचालन स्वयं कर सकें। वे अपनी जमीन पर अपने अधिकार और अपनी परंपराओं के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता चाहते थे।

उनके नेतृत्व में 1899-1900 के दौरान जो व्यापक आंदोलन हुआ, वह उलगुलान के नाम से प्रसिद्ध है। उलगुलान का अर्थ है महाविद्रोह या महान हलचल। यह आंदोलन अंग्रेजी शासन, शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था और जनजातीय अधिकारों के हनन के विरुद्ध एक संगठित प्रतिरोध था। बिरसा ने अपने अनुयायियों में यह विश्वास पैदा किया कि अन्याय को चुपचाप सहना उनकी नियति नहीं है। उन्हें अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी भाग लिया। जनजातीय समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी ने इसे व्यापक जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

उलगुलान ने अंग्रेजी प्रशासन की नींद उड़ा दी थी। आंदोलन का प्रभाव खूंटी, तमाड़, बसिया, राँची और सिंहभूम के क्षेत्रों में फैल गया। अंग्रेजी शासन ने इसे कुचलने के लिए सैन्य बल और दमनकारी नीतियों का सहारा लिया। जनवरी 1900 में डोम्बारी पहाड़ी के निकट सैल रकब क्षेत्र में अंग्रेजी सेना और बिरसा के अनुयायियों के बीच भीषण संघर्ष हुआ। अंग्रेजी सेना की गोलीबारी में अनेक जनजातीय स्त्री-पुरुष मारे गए। यह घटना जनजातीय समाज के इतिहास में बलिदान और प्रतिरोध की एक दर्दनाक स्मृति बन गई। इसके बावजूद बिरसा के अनुयायियों का मनोबल पूरी तरह नहीं टूटा। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गया।

अंग्रेजी शासन ने बिरसा मुंडा को पकड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया। अंततः 3 मार्च 1900 को उन्हें चक्रधरपुर क्षेत्र के जामकोपाई जंगल में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें राँची जेल में बंद कर दिया गया। 9 जून 1900 को मात्र 24 वर्ष की आयु में जेल के भीतर उनका निधन हो गया। सरकारी विवरण में उनकी मृत्यु का कारण बीमारी बताया गया। उनका जीवन भले ही अल्पकालिक रहा, लेकिन उनके विचारों और संघर्ष ने जनजातीय चेतना को नई दिशा प्रदान की। इतनी कम आयु में उन्होंने जिस व्यापक जनसमर्थन और राजनीतिक जागरूकता का निर्माण किया, वह उनके असाधारण नेतृत्व का प्रमाण है।

बिरसा मुंडा के आंदोलन का प्रभाव उनके निधन के बाद भी बना रहा। अंग्रेजी शासन को जनजातीय भूमि अधिकारों और परंपरागत व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना पड़ा। वर्ष 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम बनाया गया, जिसने जनजातीय भूमि के हस्तांतरण पर महत्वपूर्ण कानूनी प्रतिबंध लगाए। यद्यपि इस कानून के निर्माण के पीछे अनेक सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियाँ थीं, फिर भी बिरसा के नेतृत्व में हुए आंदोलन ने भूमि अधिकारों के प्रश्न को औपनिवेशिक शासन के सामने प्रमुखता से रखा। इस दृष्टि से उनका संघर्ष केवल तत्कालीन विद्रोह नहीं था, बल्कि भविष्य में जनजातीय अधिकारों की कानूनी सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हुआ।

आजादी के बाद लंबे समय तक भारतीय इतिहास के व्यापक जनमानस में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। लेकिन समय के साथ बिरसा मुंडा का व्यक्तित्व राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। वर्ष 2021 में भारत सरकार ने उनकी जयंती 15 नवंबर को प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। वर्ष 2024-25 को उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया गया। राँची में उनके जीवन और संघर्ष को समर्पित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय भी स्थापित किया गया है। ये प्रयास उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

बिरसा मुंडा की प्रासंगिकता आज भी कम नहीं हुई है। विकास के नाम पर विस्थापन, प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार, वन संरक्षण, जनजातीय संस्कृति की सुरक्षा और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जैसे प्रश्न आज भी हमारे सामने हैं। आधुनिक समाज को यह समझना होगा कि विकास का अर्थ केवल सड़क, भवन और उद्योगों का विस्तार नहीं है। विकास तभी सार्थक हो सकता है, जब उसमें मनुष्य की गरिमा, प्रकृति का संरक्षण और स्थानीय समुदायों के अधिकार सुरक्षित रहें। जंगलों को केवल आर्थिक संसाधन मानना और उनसे जुड़े समुदायों की परंपराओं की उपेक्षा करना उचित नहीं है। बिरसा मुंडा का संघर्ष हमें इसी संतुलन का महत्व समझाता है।

उनका जीवन यह भी सिखाता है कि किसी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, सांस्कृतिक चेतना और आत्मसम्मान में निहित होती है। उन्होंने अपने समय के सबसे शक्तिशाली औपनिवेशिक शासन को चुनौती देने का साहस इसलिए किया, क्योंकि उन्हें अपने लोगों की पीड़ा का अनुभव था और उनके अधिकारों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि साधारण परिवार में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी अपने विचारों, संकल्प और संघर्ष से इतिहास की दिशा बदल सकता है।

बिरसा मुंडा की स्मृति में दीप जलाना, उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करना और उनकी जयंती मनाना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके विचारों को अपने सामाजिक व्यवहार और राष्ट्रीय नीतियों में स्थान देंगे। जनजातीय समाज को सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनकी विरासत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के सम्मान से बनती है।

धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस और स्वाभिमान की ऐसी अमर गाथा है, जो समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है। उन्होंने अपनी छोटी-सी उम्र में जो चेतना जगाई, वह आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका उलगुलान केवल अतीत की घटना नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और अपने अधिकारों की रक्षा करने का शाश्वत संदेश है। जब तक जल, जंगल, जमीन और मानवीय गरिमा की रक्षा का प्रश्न जीवित रहेगा, तब तक बिरसा मुंडा का नाम भारतीय जनमानस में श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता रहेगा।

सूर्योपासना और लोकआस्था का महापर्व छठ



कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह
एडवोकेट/पत्रकार
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
गोरखपुर प्रेस क्लब



भारतीय संस्कृति की विराट चेतना में पर्व और त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान अथवा उत्सवधर्मिता के प्रतीक नहीं हैं, अपितु वे जीवन-मूल्यों, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आध्यात्मिक अनुशासन और सामाजिक समरसता के संवाहक भी हैं। भारतीय लोकजीवन में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनकी महत्ता आडंबर और वैभव से नहीं, बल्कि आत्मिक पवित्रता, त्याग, तपस्या और अटूट श्रद्धा से प्रतिष्ठित होती है। छठ महापर्व ऐसी ही अनुपम लोकपरंपरा है, जिसमें सूर्योपासना के माध्यम से समस्त सृष्टि के कल्याण, आरोग्य, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की जाती है। यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस सनातन दृष्टि का परिचायक है, जिसमें प्रकृति को केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति और आराध्य सत्ता के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला छठ पर्व मुख्यतः बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान रहा है, किंतु कालांतर में इसकी लोकआस्था ने भौगोलिक सीमाओं का अतिक्रमण कर संपूर्ण देश और विदेशों तक अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। सूर्य षष्ठी के नाम से विख्यात यह महापर्व चार दिनों तक चलने वाली कठिन साधना, पवित्रता, संयम और आत्मानुशासन की अनूठी परंपरा है। नहाय-खाय से आरंभ होकर खरना, संध्याकालीन अर्घ्य और उषाकालीन अर्घ्य तक इसकी प्रत्येक परंपरा साधक के अंतर्मन को शुद्ध करने तथा जीवन में सात्त्विकता का संचार करने का संदेश देती है। निर्जला व्रत की कठोर साधना, स्वच्छता का विशेष विधान, पारंपरिक प्रसाद, सूप, दउरा और लोकगीत इस पर्व की सांस्कृतिक आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं।

भारतीय सभ्यता में सूर्य की उपासना की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। वैदिक साहित्य में सूर्य, सविता और आदित्य के रूप में सूर्यदेव की महिमा का विस्तृत वर्णन मिलता है। ऋग्वेद के सविता सूक्त तथा गायत्री मंत्र में निहित सूर्य की दिव्य चेतना मनुष्य की बुद्धि को आलोकित करने और जीवन को सद्मार्ग की ओर प्रेरित करने की प्रार्थना है। सूर्य को जगत का आत्मस्वरूप, ऊर्जा का अक्षय स्रोत और समस्त प्राणियों के जीवन का आधार माना गया है। भारतीय मनीषा ने सूर्य के प्रकाश में केवल भौतिक ऊर्जा ही नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक, चेतना और आध्यात्मिक जागरण का भी दर्शन किया है। छठ महापर्व इसी प्राचीन सूर्योपासना की लोकाभिव्यक्ति का अत्यंत विशिष्ट स्वरूप है। हालांकि इसकी विशिष्ट अनुष्ठान परंपराओं का विकास लोकविश्वासों और क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं के साथ हुआ है।

छठ पर्व की पौराणिक पृष्ठभूमि भी अत्यंत रोचक और श्रद्धापूर्ण है। महाभारत की परंपरा में सूर्यपुत्र कर्ण का व्यक्तित्व सूर्योपासना और दानशीलता का अनुपम उदाहरण माना जाता है। मान्यता है कि कर्ण प्रतिदिन प्रातःकाल सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते थे और जरूरतमंदों को दान देकर अपनी उदारता का परिचय देते थे। सूर्य के प्रति उनकी अनन्य निष्ठा ने उन्हें तेजस्विता, पराक्रम और आत्मसम्मान का प्रतीक बनाया। इसी प्रकार महाभारत से जुड़ी लोककथाओं में द्रौपदी द्वारा सूर्य की आराधना और संकट के समय सूर्यदेव से प्राप्त अक्षय पात्र का प्रसंग भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। यह आख्यान विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, विश्वास और आत्मबल बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

रामायण से जुड़ी लोकमान्यताओं में भी छठ की परंपरा का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि लंका विजय के पश्चात अयोध्या लौटने पर भगवान श्रीराम और माता सीता ने सूर्यदेव की आराधना की तथा लोककल्याण की कामना की। वहीं छठी मइया की महिमा से संबंधित एक प्रचलित पौराणिक कथा राजा प्रियव्रत और रानी मालिनी से जुड़ी है। संतान प्राप्ति की कामना से व्याकुल राजा-रानी के जीवन में पुत्र-जन्म के पश्चात भीषण शोक का प्रसंग आता है। लोककथा के अनुसार, षष्ठी देवी ने प्रकट होकर उन्हें संतान की रक्षा और मंगल के लिए अपनी आराधना का मार्ग बताया। तभी से षष्ठी देवी को संतानों की रक्षिका और परिवार के कल्याण की अधिष्ठात्री के रूप में श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है। इन कथाओं का मूल संदेश मातृत्व, संरक्षण, करुणा और जीवन के प्रति अटूट विश्वास है।

छठ महापर्व की सर्वाधिक विशिष्ट और दार्शनिक विशेषता अस्ताचलगामी सूर्य तथा उदीयमान सूर्य दोनों की समान श्रद्धा से उपासना करना है। संसार की सामान्य प्रवृत्ति प्रायः सफलता, सामर्थ्य और उत्कर्ष का अभिनंदन करने की होती है, किंतु छठ हमें अस्त होते सूर्य के प्रति भी उतनी ही श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का संस्कार देता है, जितना उदित होते सूर्य के प्रति। यह परंपरा भारतीय जीवन-दर्शन की उदात्तता को प्रकट करती है। अस्त होता सूर्य हमें स्मरण कराता है कि जीवन में अवसान भी उतना ही स्वाभाविक और सम्माननीय है, जितना उदय और उत्कर्ष। वहीं उदीयमान सूर्य नवीन आशा, नवचेतना, संघर्ष और पुनर्जागरण का संदेश देता है। इस प्रकार छठ केवल सूर्य की आराधना नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक उतार-चढ़ाव को सहजता और समभाव से स्वीकार करने की आध्यात्मिक शिक्षा भी है। इस महापर्व का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष भी अत्यंत व्यापक है। छठ के घाटों पर जाति, वर्ग, भाषा और आर्थिक विषमता की दीवारें स्वतः गौण हो जाती हैं। व्रती, श्रद्धालु, परिजन और समाज के सभी वर्ग एक साथ मिलकर इस लोकपर्व की गरिमा को विस्तार देते हैं। लोकगीतों में माता की ममता, संतान के प्रति वात्सल्य, दांपत्य जीवन की मंगलकामना और परिवार की सुख-समृद्धि की अभिलाषा सहज रूप में अभिव्यक्त होती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी माताओं और बहनों द्वारा संजोई गई यह गीत-परंपरा हमारी मौखिक सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य धरोहर है। ठेकुआ, मौसमी फल, गन्ना और पारंपरिक प्रसाद के माध्यम से ग्रामीण जीवन, कृषि संस्कृति और प्रकृति के उपादानों के प्रति कृतज्ञता का भाव भी प्रकट होता है।

वर्तमान समय में जब मनुष्य आधुनिकता और भौतिक प्रगति की दौड़ में प्रकृति के साथ अपने आत्मीय संबंधों को विस्मृत करता जा रहा है, तब छठ महापर्व हमें पर्यावरणीय संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का महत्त्व समझाता है। नदियों, सरोवरों और जलाशयों के तट पर संपन्न होने वाली सूर्योपासना जल की पवित्रता तथा उसके जीवनदायी स्वरूप का बोध कराती है। इसलिए इस पर्व की वास्तविक सार्थकता तभी सिद्ध होगी, जब हम श्रद्धा के साथ नदियों को स्वच्छ रखने, जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने, प्लास्टिक और कृत्रिम अपशिष्ट से परहेज करने तथा पर्यावरण संरक्षण को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानने का संकल्प भी लें। आस्था का वास्तविक सौंदर्य तभी है, जब वह प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व में परिणत हो। वस्तुतः छठ महापर्व भारतीय लोकसंस्कृति की वह आध्यात्मिक धरोहर है, जिसमें वैदिक सूर्योपासना की प्राचीन चेतना, पौराणिक आख्यानों की श्रद्धा, लोकजीवन की सहज संवेदना और सामाजिक समरसता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन की सार्थकता केवल प्राप्तियों में नहीं, बल्कि कृतज्ञता, संयम, त्याग और परोपकार में निहित है। सूर्य की अविराम यात्रा की भांति मनुष्य को भी निरंतर कर्मशील, प्रकाशवान और लोकमंगल के प्रति समर्पित रहना चाहिए। यही छठ की शाश्वत आध्यात्मिक चेतना है और यही भारतीय संस्कृति का वह अमर संदेश है, जो पीढ़ियों से जनमानस को आलोकित करता आ रहा है।

कलम की स्वतंत्रता और सच की जिम्मेदारी

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी संवैधानिक व्यवस्था, संसद और न्यायपालिका में ही नहीं होती, बल्कि उस जागरूक समाज में भी होती है जो अपने अधिकारों, कर्तव्यों और शासन की गतिविधियों के प्रति सजग रहता है। इस जागरूकता को विकसित करने में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार पत्रों और समाचार माध्यमों के माध्यम से नागरिक न केवल देश-दुनिया की घटनाओं से परिचित होते हैं, बल्कि उन्हें अपने आसपास घट रही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक गतिविधियों को समझने का अवसर भी मिलता है। पत्रकारिता लोकतंत्र की वह सजग प्रहरी है, जो सत्ता से प्रश्न पूछती है, समाज की विसंगतियों को उजागर करती है और आम आदमी की आवाज को व्यवस्था तक पहुँचाती है। इसलिए स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस को लोकतंत्र की मजबूती का अनिवार्य आधार माना जाता है।

भारत में प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकारिता के महत्व को समझने तथा उसके सामने उपस्थित चुनौतियों पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। इसी दिन वर्ष 1966 में भारतीय प्रेस परिषद ने अपना कार्य करना प्रारंभ किया था। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना का विचार वर्ष 1956 में प्रथम प्रेस आयोग ने प्रस्तुत किया था। इसका उद्देश्य पत्रकारिता में नैतिक मानकों को बनाए रखना और प्रेस की स्वतंत्रता को बाहरी दबावों तथा हस्तक्षेप से सुरक्षित रखना था। वर्ष 1975 में आपातकाल के दौरान प्रेस परिषद समाप्त कर दी गई थी। बाद में नए कानून के अंतर्गत वर्ष 1979 में इसका पुनर्गठन किया गया। आज भी यह संस्था प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और पत्रकारिता के स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारतीय पत्रकारिता का इतिहास देश के स्वतंत्रता संघर्ष और सामाजिक जागरण से गहराई से जुड़ा हुआ है। जब देश अंग्रेजी शासन की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब समाचार पत्र केवल सूचनाओं के प्रसार का माध्यम नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्रीय चेतना जगाने और जनमानस को संगठित करने का सशक्त साधन भी थे। राजा राममोहन राय, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और अन्य अनेक महापुरुषों ने पत्रकारिता को सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय जागरण का माध्यम बनाया। उनके लिए समाचार पत्र व्यवसाय से अधिक जनसेवा और विचारों की अभिव्यक्ति का मंच थे। अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के बावजूद पत्रकारों ने अपनी लेखनी से अन्याय, शोषण और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई। अनेक समाचार पत्रों को प्रतिबंधों और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन पत्रकारिता की स्वतंत्र चेतना को पूरी तरह दबाया नहीं जा सका। यही परंपरा भारतीय पत्रकारिता की ऐतिहासिक विरासत है।

आजादी के बाद भारतीय प्रेस के सामने एक नई जिम्मेदारी थी। अब उसे केवल शासन की आलोचना नहीं करनी थी, बल्कि राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, लोकतांत्रिक चेतना और विकास की प्रक्रिया में भी योगदान देना था। समय के साथ समाचार पत्रों की संख्या बढ़ी और पत्रकारिता का विस्तार हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर महानगरों तक समाचार माध्यमों ने अपनी पहुँच बनाई। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को व्यापक स्थान मिला। पत्रकारिता ने कई बार ऐसे मुद्दों को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बनाया, जिन्हें सामान्यतः व्यवस्था और समाज अनदेखा कर देते थे। किसी दूरस्थ गाँव में पेयजल की समस्या हो अथवा किसी गरीब परिवार के साथ हुआ अन्याय, एक संवेदनशील समाचार उसे व्यापक पहचान दिला सकता है।

लेकिन बदलते समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप भी तेजी से बदला है। पहले समाचारों के लिए पाठकों को अगले दिन के समाचार पत्र की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। आज दूरदर्शन, समाचार चैनलों, इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों के कारण घटनाओं की जानकारी कुछ ही क्षणों में दुनिया के किसी भी कोने तक पहुँच जाती है। इस परिवर्तन ने सूचना के प्रसार को सरल और व्यापक बनाया है। अब सामान्य नागरिक भी अपने मोबाइल के माध्यम से किसी घटना का चित्र, चलचित्र या विवरण साझा कर सकता है। इससे अभिव्यक्ति के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन इसके साथ सूचनाओं की विश्वसनीयता का प्रश्न भी गंभीर हुआ है।

आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में भ्रामक समाचार, अपुष्ट सूचनाएँ और अफवाहों का प्रसार शामिल हैं। कई बार किसी घटना की पूरी जानकारी प्राप्त किए बिना ही समाचार प्रसारित कर दिया जाता है। बाद में पता चलता है कि प्रस्तुत तथ्य अधूरे थे अथवा उनमें वास्तविकता को तोड़-मरोड़कर दिखाया गया था। किसी व्यक्ति, समुदाय या संस्था के बारे में गलत सूचना फैलने से सामाजिक तनाव और अविश्वास की स्थिति पैदा हो सकती है। विशेष रूप से संवेदनशील घटनाओं में समाचारों की पुष्टि किए बिना उन्हें प्रसारित करना गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। पत्रकारिता का उद्देश्य सबसे पहले समाचार देने की होड़ में शामिल होना नहीं, बल्कि सही समाचार देना होना चाहिए। विश्वसनीयता एक दिन में अर्जित नहीं होती, लेकिन एक गलत समाचार वर्षों से बनी प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। वर्तमान समय में समाचारों के व्यावसायीकरण ने भी पत्रकारिता के मूल स्वरूप को प्रभावित किया है। समाचार माध्यमों पर पाठकों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने का दबाव बढ़ा है। कई बार गंभीर सामाजिक विषयों की तुलना में सनसनीखेज घटनाओं को अधिक महत्व दिया जाता है। बहस के नाम पर शोर, आरोप-प्रत्यारोप और व्यक्तिगत टिप्पणियाँ प्रस्तुत की जाती हैं। ऐसे वातावरण में तथ्य और विश्लेषण पीछे छूट जाते हैं। किसी घटना के सभी पक्षों को समझने के बजाय उसे एक निश्चित दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति भी दिखाई देती है। पत्रकारिता में विचारों की विविधता आवश्यक है, लेकिन विचारों के साथ तथ्यों की शुचिता और निष्पक्षता भी उतनी ही जरूरी है।

इसके अतिरिक्त पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार, संगठित अपराध, सामाजिक कुरीतियों और प्रशासनिक अनियमितताओं को उजागर करने वाले पत्रकार कई बार धमकियों और हमलों का सामना करते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले पत्रकारों के सामने आर्थिक असुरक्षा और संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ भी होती हैं। पत्रकारिता को स्वतंत्र बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि पत्रकार बिना भय और दबाव के जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने रख सकें। साथ ही उन्हें अपनी जिम्मेदारियों और आचार संहिता का भी पालन करना चाहिए। प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ निरंकुशता नहीं, बल्कि सत्य और जनहित के प्रति जवाबदेही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने पत्रकारिता के सामने नई संभावनाएँ और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत की हैं। इसके माध्यम से सूचनाओं का विश्लेषण, अनुवाद और सामग्री तैयार करने में सहायता मिल सकती है। लेकिन इसी तकनीक से ऐसे नकली चित्र, आवाजें और चलचित्र भी तैयार किए जा सकते हैं, जिन्हें वास्तविक समझकर लोग भ्रमित हो सकते हैं। इसलिए आने वाले समय में पत्रकारिता की विश्वसनीयता केवल समाचार जुटाने की क्षमता पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि तथ्यों की पुष्टि करने और वास्तविकता तथा कृत्रिम सामग्री के बीच अंतर पहचानने की योग्यता पर भी निर्भर करेगी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2025 का विषय भी इसी चिंता को सामने लाता है। भारतीय प्रेस परिषद ने उस वर्ष बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता के संरक्षण को अपनी चर्चा का केंद्र बनाया था। यह विषय बताता है कि बदलते सूचना परिवेश में पत्रकारिता के लिए विश्वास बनाए रखना कितना आवश

महिलाओं के सम्मान और गरिमा का ध्यान रखते हुए अभिव्यक्ति की मर्यादा बनाए रखें : उषा प्रियदर्शी

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार, शालीन भाषा और जिम्मेदार अभिव्यक्ति को सामाजिक मर्यादा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए मीडिया संस्थानों, पत्रकारों, ऑनलाइन समाचार चैनलों, सोशल मीडिया संचालकों और आमजन से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला के प्रति अभद्र, अपमानजनक अथवा अमर्यादित भाषा का प्रयोग न केवल उसकी व्यक्तिगत गरिमा को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक वातावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, लेकिन इसके साथ सामाजिक जिम्मेदारी और दूसरों के सम्मान का ध्यान रखना भी आवश्यक है। समाचारों, चर्चाओं, सोशल मीडिया पोस्ट और सार्वजनिक टिप्पणियों में किसी महिला के चरित्र, व्यक्तिगत जीवन अथवा निजी परिस्थितियों को लेकर अनावश्यक टिप्पणी करने से बचना चाहिए। विशेष रूप से संवेदनशील मामलों में संबंधित महिला की पहचान, निजता और सम्मान की रक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उषा प्रियदर्शी ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ होने के साथ-साथ समाज की सोच और व्यवहार को दिशा देने की क्षमता भी रखता है। इसलिए समाचारों की हेडलाइन, कैप्शन, थंबनेल, तस्वीरों और वीडियो के प्रस्तुतीकरण में भी भाषा की शालीनता तथा संबंधित व्यक्ति की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। किसी भी घटना या विवाद को सनसनीखेज बनाने के उद्देश्य से ऐसी सामग्री प्रस्तुत नहीं की जानी चाहिए, जिससे किसी महिला की प्रतिष्ठा अथवा सामाजिक सम्मान को ठेस पहुंचे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात किसी वर्ग के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, सभ्य और समानतापूर्ण समाज के निर्माण से जुड़ी है। महिला और पुरुष दोनों ही समाज के अभिन्न अंग हैं तथा परस्पर सम्मान, विश्वास और सहयोग से ही स्वस्थ सामाजिक वातावरण का निर्माण संभव है। इसलिए किसी भी व्यक्ति के प्रति अपमानजनक टिप्पणी, व्यक्तिगत आरोप या अमर्यादित भाषा से बचना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने आमजन से अपील की कि सोशल मीडिया पर किसी भी पोस्ट, टिप्पणी, तस्वीर या वीडियो को साझा अथवा प्रसारित करने से पहले उसकी भाषा, तथ्यात्मकता और सामाजिक प्रभाव पर विचार अवश्य करें।

गीता का संदेश और भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष सबके लिए प्रेरणास्रोत : नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने हमें गीता के माध्यम से कर्म, कर्तव्य और लोक कल्याण का मार्ग दिखाया, वहीं भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन और संघर्ष से हमें स्वाभिमान, एकता तथा अपनी धरती और संस्कृति की रक्षा का संकल्प दिया। दोनों महापुरुषों के संदेश हमें सिखाते हैं कि सच्चा जीवन वही है, जो अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हो और समाज के हित में समर्पित हो। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात रविवार को पंचकूला में 'श्री कृष्ण कृपा धाम' के भवन का शिलान्यास तथा जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने श्री कृष्ण कृपा धाम के निर्माण कार्य के लिए 31 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी सुना। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री कृष्ण कृपा धाम के रूप में पंचकूला की इस पावन धरती पर केवल एक भवन की ही नहीं, बल्कि एक ऐसे आध्यात्मिक केंद्र की



नींव रखी जा रही है, जिसके माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को संस्कार, सेवा, समर्पण और श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान प्राप्त होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि ईंट और पत्थर से बनने वाला यह भवन श्रद्धा और संस्कारों के बल पर एक तीर्थ के रूप में विकसित होगा।

गीता का ज्ञान चिंताओं को समाप्त करता है: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार गीता के संदेश को कुरुक्षेत्र से अब विश्व में घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है जिसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का उल्लेखनीय सहयोग है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब हम भविष्य को लेकर चिंतित होते हैं, तब श्रीमद्भगवद्गीता हमें धैर्य, विवेक और कर्म करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि इस धाम से निकलने वाला आध्यात्मिक संदेश पंचकूला से पूरे हरियाणा और देश भर में फैले।

प्रधानमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय पहचान दिलाई: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय पहचान दिलाई। वर्ष 2021 से प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को यह दिवस मनाया जा रहा है, ताकि जनजातीय वीरों के बलिदान और जनजातीय समाज के योगदान को पूरे देश के सामने सम्मानपूर्वक याद किया जा सके। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

बिरसा मुंडा का संघर्ष इतिहास में दर्ज: मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और अपनी धरती एवं संस्कृति की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध उनका संघर्ष इतिहास में दर्ज है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि साहस केवल शस्त्र उठाने में नहीं, बल्कि अपने लोगों के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के लिए निडर होकर खड़े होने में भी है। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में नशे, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की और फिर 'हमारी धरती, हमारा राज' का नारा देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए महाविद्रोह का नेतृत्व किया।

बिरसा मुंडा ने गीता को जीवन में उतारकर दिखाया: मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हम भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को गौर से देखें तो हमें पता चलता है कि उन्होंने गीता को अपने जीवन में उतारकर दिखाया और गीता के संदेश के अनुरूप कर्म और कर्तव्य को प्राथमिकता दी जिसके कारण उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। उन्होंने कम आयु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाकर जनजातीय समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना जगाई। आज देश के हर किसान, आदिवासी और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने वाले प्रत्येक युवा के भीतर भगवान बिरसा मुंडा जीवित हैं।

प्रमुख गणमान्य व्यक्ति रहे उपस्थित: इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, मेयर एवं श्री कृष्ण कृपा परिवार पंचकूला ट्रस्ट के संरक्षक श्याम लाल बंसल, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, भाजपा के जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन बंतो कटारिया, हरियाणा शिवालिक विकास बोर्ड के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओम प्रकाश देवीनगर, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दुग्गल, बाबा भूपेंद्र, मुख्यमंत्री के ओएसडी बी.बी. भारती, विशेष शिकायत निवारण अधिकारी भोपाल सिंह खदरी, उपायुक्तसतपाल शर्मा, एस.पी. सिंगला, श्री कृष्ण कृपा परिवार पंचकूला ट्रस्ट के पदाधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बलिदान दिवस पर रिया ने हासिल किया प्रथम स्थान, प्रधानाचार्या ममता पांडेय ने दी बधाई



अनप्लग इंडिया

करनाल। जब शब्दों में आत्मविश्वास हो और विचारों में महान व्यक्तित्वों के आदर्श, तो प्रभाव हर किसी पर पड़ता है। कुछ ऐसा ही शानदार प्रदर्शन डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल की कक्षा बारहवीं की छात्रा रिया ने किया। भारत विकास परिषद की सूरज शाखा, करनाल द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में रिया ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को गुरु तेग बहादुर जी के त्याग, तपस्या, साहस और धर्म एवं मानवता की रक्षा के लिए दिए गए उनके महान बलिदान से परिचित करवाना था। रिया ने अपने भाषण में गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, उनके अदम्य साहस, धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उसके आत्मविश्वास, स्पष्ट विचारों और शानदार वक्तृत्व शैली ने निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। इस उपलब्धि पर आयोजकों द्वारा रिया को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ममता पांडेय ने रिया की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भारतीय इतिहास की ऐसी अमर गाथा है, जो हमें अन्याय के सामने कभी न झुकने और सत्य एवं मानवता की रक्षा के लिए हमेशा डटकर खड़े रहने की प्रेरणा देती है। उनका जीवन केवल त्याग और साहस का प्रतीक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को मानवता, आपसी सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को सही मंच देना विद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है, उनकी सोच विकसित होती है और वे अपने विचारों को निडरता एवं प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करना सीखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल अच्छे विद्यार्थी तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है, जो देश के महान इतिहास, संस्कृति और आदर्शों पर गर्व करें और उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। प्रधानाचार्या श्रीमती ममता पांडेय एवं समस्त विद्यालय परिवार ने रिया को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि रिया आगे भी अपनी मेहनत, प्रतिभा और आत्मविश्वास से सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करेगी। रिया की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जब प्रतिभा को सही मंच और मेहनत को सही दिशा मिलती है, तो सफलता स्वयं कदम चूमती है। उसकी कामयाबी ने विद्यालय का मान बढ़ाया है और अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

देश में ऐसा एक भी स्मारक नहीं जिसमें आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सभी शहीदों को दिखाया गया हो : अनिल विज

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के दौरान अंग्रेजों द्वारा जिन क्रांतिकारियों को पेड़ों से टांग-टांग कर गोलियां मारी गईं और जिन पर कोल्हू चलवाए गए और जो गांव के गांव जला दिए गए, ऐसे सभी ज्ञान-अज्ञात शहीदों की आत्मा की शांति के लिए आज हमने शहीद स्मारक में हवन यज्ञ किया है और आज से ही शहीद स्मारक लोगों के लिए खुल गया है। लोग स्मारक में आकर शहीदों की कुर्बानियों की गाथायों को देख सकते हैं। विज अम्बाला छावनी में 1857 आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित शहीद स्मारक में हवन यज्ञ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1857 की आजादी की लड़ाई कांग्रेस के जन्म से 28 साल पहले सारे देश में लड़ी गई थी, उसके इतिहास को भूला दिया गया था। उन शहीदों की याद में हमने अंबाला छावनी में एक भव्य शहीद स्मारक बनाया है और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने 5 नवंबर को इसका लोकार्पण कर दिया है। यह लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी और पूरे देश में ऐसा एक भी स्मारक नहीं है, जिसमें आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सभी शहीदों को दिखाया गया हो। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक में 23 गैलरी हैं और इसे देखने में लगभग 6 घंटे लगते हैं। यहां रात को लाइट एंड साउंड शो भी दिखाया जाएगा। इसमें एक गैलरी ऐसी बनाई गई है, जिसमें वह चाहते हैं कि हर दर्शक जरूर जाए। वह गैलरी जहां सभी शहीदों को जाकर अपनी श्रद्धांजलि देंगे। यहां ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि श्रद्धांजलि देने वाले का नाम भी रजिस्टर होगा। उन्होंने यहां आने वाले लोगों से आह्वान किया कि लोग इस गैलरी में अवश्य जाएं और शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए वहां श्रद्धांजलि अर्पित करें। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि इस शहीदी स्मारक को बनाने में लगभग 600 करोड़ रुपये की लागत आई है और इसकी बुकिंग खुल गई है। अभी ट्रायल रन किया जा रहा है, इसलिए एक दिन में केवल 500 लोगों को शहीद स्मारक में जाने की अनुमति दी गई है। आज से यानी 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक जो बुकिंग कराएगा, उसकी एंट्री फ्री है। बुकिंग ऑनलाइन भी हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी जो बुकिंग हुई थी, उसमें कुछ लोगों ने बिना आधार कार्ड के बुकिंग कर दी थी, तो हमने उसे कैंसिल कर दिया था और उनके स्लॉट खाली हो गए थे। अब हमने आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है। अब बिना आधार कार्ड के बुकिंग होगी ही नहीं। इस महीने की कुछ सीटें खाली हो गई हैं। अगर लोग जाएंगे तो उनमें बुकिंग कर सकेंगे और जल्दी ही हम शुल्क बुकिंग भी शुरू कर देंगे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि हम चाहते हैं कि नया इतिहास, जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने लिखने का काम किया है, वह आने वाली पीढ़ी को जरूर दिखाया जाए क्योंकि पहले तो इनके बारे में गलत ही पढ़ाते थे, शहीदों बारे में कभी बताया नहीं गया।

अहीरवाल की धरा पर संगठित होकर अपनी ताकत को दर्शाएं जेजेपी कार्यकर्ता : अजय सिंह चौटाला

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा है कि देश एवं प्रदेश को भाजपा सरकार दोनों हाथों से लूट रही है। भाजपा सरकार बड़े-बड़े पूंजीपतियों को देश की बेशकीमती संपत्ति बेचने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में निवेश लाने का झूठा दावा करते हैं, जिस क्षेत्र में ऑटोमोबाइल को बढ़ावा दिया जा सकता है, वहां सीएम कपड़ा और हीरा व्यापार को बढ़ावा देने की बेतुकी बातें करते हैं। डॉ चौटाला ने कहा कि आज हम सबको मिलकर भाजपा को करारा जवाब देना चाहिए।



उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि छह दिसंबर को स्थापना दिवस के अवसर पर अहीरवाल की पावन धरा महेंद्रगढ़ में होने वाली जन-जन अधिकार रैली में सभी जेजेपी कार्यकर्ता संगठित होकर अपनी ताकत को दर्शाएं ताकि इसका आगे चुनावी वर्ष में जेजेपी को फायदा मिल सके और प्रदेश में बदलाव लाया जा सके। रविवार को जेजेपी प्रमुख डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा व अन्य वरिष्ठ जेजेपी नेता कुरुक्षेत्र और अंबाला जिले में महेंद्रगढ़ रैली का न्यौता देने पहुंचे थे। पत्रकारों से रूबरू होते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब नहीं, बल्कि गायब हैं। उन्होंने कहा कि रोजाना सीएम के कार्यक्रम पंजाब में रहते हैं। हरियाणा को सबसे खराब कानून व्यवस्था वाला प्रदेश बना दिया गया है। मंडियों में किसानों को फसल बेचने के लिए प्रताड़ित होना पड़ रहा है। फसलों का उठान न होने की वजह से भुगतान अटका हुआ है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार अपने चहेते राइस मिलरों को फायदा पहुंचा रही है और प्रदेश में बड़े स्तर पर धान खरीद के दौरान घोटाला हुआ है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की खराब नीतियों के कारण देश के आम नागरिकों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है और देश की अर्थव्यवस्था डगमगा चुकी है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया से देश के करोड़ों नागरिकों को वोट के अधिकार से दूर किया जा रहा है, हमारी सुप्रीम कोर्ट से मांग है कि इस विषय को गंभीरता से संज्ञान में लें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के प्रति जन-जन में आक्रोश है। वहीं जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी घर-घर जाकर महेंद्रगढ़ रैली का न्यौता दें और जन-जन को जेजेपी की जनहितैषी नीतियों से अवगत करवाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत से जेजेपी महेंद्रगढ़ में ऐतिहासिक रैली करेगी।

किसानों को नहरी पानी, खाद और फसल का उचित मूल्य उपलब्ध कराए सरकार : कुमारी सैलजा

अनप्लग इंडिया

सिरसा। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी एवं कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा के किसानों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को किसानों की वास्तविक परेशानियों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना चाहिए। विशेषकर सिरसा और फतेहाबाद जिलों में नहरी पानी की आपूर्ति में की गई कटौती से किसानों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों के अनुसार पहले नहरों में दो सप्ताह पानी आने और दो सप्ताह बंद रहने की व्यवस्था थी, लेकिन अब पानी की आपूर्ति घटाकर एक सप्ताह कर दी गई है, जबकि बंदी की अवधि दो सप्ताह रखी गई है। इससे टेल तक पानी पहुंचने में कठिनाई हो रही है। जिन क्षेत्रों में भूमिगत पानी खारा अथवा सिंचाई के अनुपयुक्त है, वहां किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। सरकार को पुरानी व्यवस्था बहाल करने तथा नहरों की टेल तक पर्याप्त पानी पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सांसद ने कहा कि पगड़ी संभाल जट्ट किसान संघर्ष समिति, फतेहाबाद द्वारा उठाई गई मांगों पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। समिति ने किसानों पर दर्ज मुकदमों की समीक्षा कर उन्हें वापस लेने, नहरी पानी की व्यवस्था सुधारने, गत 24 अक्टूबर की ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने तथा



फतेहाबाद लघु सचिवालय पर आंदोलनरत किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की है।

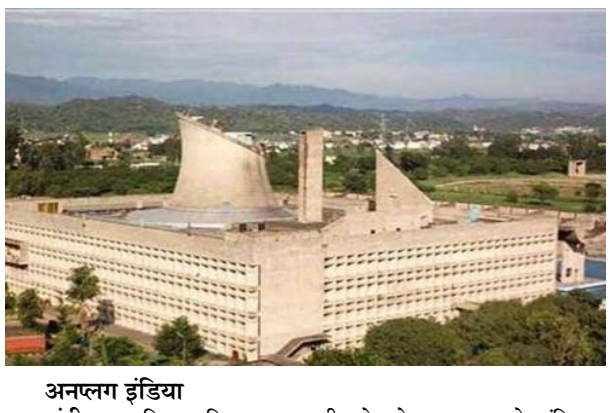
कुमारी सैलजा ने कहा कि धान की सरकारी खरीद में किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंडियों में पारदर्शी खरीद, उचित मूल्य और निर्धारित समय में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। दूसरी ओर गेहूं की बिजाई का महत्वपूर्ण समय होने के कारण डीएपी तथा अन्य आवश्यक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बेहद जरूरी है। खाद वितरण में पारदर्शिता हो और किसानों को लंबी कतारों में खड़ा न होना पड़े।

सांसद ने कहा कि किसानों को पानी, बिजली, खाद, फसल का उचित मूल्य और समय पर भुगतान उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार किसान संगठनों से संवाद कर व्यावहारिक समाधान निकाले। किसानों की समस्याओं का समाधान केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि धरातल पर ठोस कार्रवाई से होगा।

हरियाणा के 15 लाख बच्चों के मिड-डे मील पर संकट, 85 करोड़ का बजट अटका

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 15 लाख बच्चों के मिड-डे मील पर बजट संकट मंडरा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी वाले करीब 85 करोड़ रुपये का भुगतान अटकने से स्कूलों में राशन की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिक्षक अपनी जेब से खर्च कर बच्चों को भोजन उपलब्ध करवा रहे हैं। कई स्कूल दुकानदारों से उधार राशन लेने को मजबूर हैं। दूध, दही, सब्जियों और गैस सिलेंडर की खरीद में परेशानी बढ़ गई है। शिक्षकों ने सरकार से तत्काल बजट जारी करने और नियमित भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

हरियाणा विधानसभा में 16 नवंबर को होगा 'युवा संवाद- 2026' का दूसरा चरण



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से मनाए जा रहे संविधान पखवाड़े के तहत 16 नवंबर को 'हरियाणा युवा संवाद- 2026' का दूसरा चरण होगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण संबोधित करेंगे। यह आयोजन सामाजिक संस्था राजधानी युवा संसद के सहयोग से किया जा रहा है। संवाद में 85 से अधिक युवा प्रतिभागी भाग लेंगे। इनका चयन तीन चरणीय कठिन चयन प्रक्रिया से किया गया है। ये युवा प्रतिनिधि हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश सहित देश के 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आ रहे हैं। इस सम्मेलन का विषय 'पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास : संवैधानिक दायित्व एवं सामूहिक कार्रवाई को आगे बढ़ाना' रहेगा। इस दौरान युवा प्रतिभागी पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर अपनी बात रखेंगे।

दवा विक्रेताओं का कार्य केवल व्यापार नहीं, बल्कि समाजसेवा भी : आरती राव

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि दवा विक्रेताओं का कार्य केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाजसेवा और जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। जब कोई दवा विक्रेता किसी जरूरतमंद को सही दवा उपलब्ध करवाता है, तो वह किसी व्यक्ति का जीवन बचाने के साथ एक परिवार की खुशियां सुरक्षित रखने में भी योगदान देता है। इसलिए दवा विक्रेताओं को अपनी व्यावसायिक जिम्मेदारी के साथ सामाजिक दायित्वों का भी पूरी ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव रविवार को गुरुग्राम में आयोजित राज्य स्तरीय औषधि सुरक्षा एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। 'सुरक्षित दवाएं, नशामुक्त समाज' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन गुरुग्राम केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन तथा हरियाणा ड्रग डीलर्स एसोसिएशन की ओर से किया गया। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, कोसली के विधायक अनिल यादव और बावल के विधायक कृष्ण कुमार ने भी शिरकत की। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र एवं हरियाणा सरकार देश और प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश की सबसे बड़ी ताकत युवा हैं, लेकिन नशे की लत युवाओं के भविष्य को प्रभावित करने के साथ पूरे परिवार को तोड़ देती है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें अपनी भागीदारी निभानी होगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने दवा विक्रेताओं से अपील की कि बिना वैध चिकित्सकीय प्रिस्क्रिप्शन के प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री न करें और दवाओं की खरीद-बिक्री में निर्धारित नियमों का पूरी सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में नकली दवाओं, फर्जी इंजेक्शन और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए नशे के दुरुपयोग के खिलाफ व्यापक जागरूकता फैलाने के साथ-साथ मेडिकल दवाओं के गलत इस्तेमाल और अवैध बिक्री की रोकथाम भी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हरियाणा की 20 जेलों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। देश की जेलों में बंद कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, जातिगत भेदभाव की समाप्ति और जेल प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के अनुपालन में हरियाणा सरकार ने प्रदेश की सभी 20 जेलों के लिए जिला स्तर पर 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' का गठन किया है। इस व्यवस्था में हरियाणा मानवाधिकार आयोग (एचएचआरसी) की भी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि के रूप में डॉ. पुनीत अरोड़ा, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, हरियाणा मानवाधिकार आयोग को बोर्ड का आधिकारिक सदस्य नामित किया गया है। आयोग के रजिस्ट्रार कार्यालय ने 5 नवंबर को हरियाणा सरकार के जेल विभाग को इसकी आधिकारिक सूचना भेजी है। हरियाणा सरकार के जेल विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक जिले में गठित बोर्ड की अध्यक्षता संबंधित जिले के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज करेंगे। बोर्ड में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला औद्योगिक अधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, जिला शिक्षा अधिकारी तथा कृषि एवं बागवानी विभाग के अधिकारी सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विधायक, जिनमें एक महिला विधायक होंगी तथा हरियाणा मानवाधिकार आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि भी आधिकारिक सदस्य होंगे। प्रत्येक जिले से दो सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें एक महिला होना अनिवार्य है, को गैर-आधिकारिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

जेलों में जातिगत भेदभाव की समस्या को उजागर करने वाली पत्रकार सुकन्या शांता की एक रिपोर्ट से यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया। उन्होंने 10 दिसंबर 2020 को एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के जेल मैनुअल में मौजूद उन प्रावधानों को सामने लाया गया था, जिनके तहत कैदियों के साथ जाति के आधार पर भेदभाव और काम का बंटवारा किया जाता था। इसी मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई।

3 अक्टूबर 2024 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने इस मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे।

सुनवाई के दौरान न्यायालय के सामने यह तथ्य आया कि ब्रिटिश काल में स्थापित जेल मैनुअल के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों के जेलों में ऐसी व्यवस्थाएं मौजूद थीं, जिनके तहत कैदियों को उनकी जाति के आधार पर काम सौंपा जाता था। कुछ स्थानों पर विशेष जातियों के कैदियों से सफाई और अन्य कथित निम्न स्तर के कार्य करवाने की व्यवस्था थी। इसके अलावा, बैरकों में जाति के आधार पर अलगाव तथा विमुक्त जनजातियों के लोगों को संदिग्ध या आदतन अपराधी मानने जैसी व्यवस्थाएं भी प्रचलित थीं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति के साथ उसकी जाति के आधार पर जेल में भेदभाव करना संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने जेल मैनुअल एवं नियमों में तीन महीने के भीतर आवश्यक संशोधन करने, जेलों के रजिस्टरों से जाति संबंधी कॉलम और संदर्भ हटाने तथा कैदियों के साथ किसी भी प्रकार के जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के निर्देश दिए। साथ ही, विमुक्त जनजातियों के लोगों की मनमानी गिरफ्तारी रोकने के लिए पुलिस को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा।

इस फैसले की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही कि सुप्रीम कोर्ट ने जेलों के भीतर जातिगत भेदभाव के साथ-साथ लिंग, दिव्यांगता और अन्य आधारों पर होने वाले भेदभाव के मुद्दे पर भी स्वतः संज्ञान लिया। इसके बाद मामले को सुप्रीम कोर्ट ने अपने 3 अक्टूबर 2024 के फैसले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और मॉडल प्रिजन मैनुअल के तहत गठित बोर्ड ऑफ

संक्षिप्त डायरी

कोहरे में काल बनकर दौड़ा ओवरलोड ट्रैक्टर; बाइक सवार भाई और दो बहनों को कुचला, तीनों की मौके पर मौत

अनप्लग इंडिया

सीतापुर। सीतापुर के तंबौर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह घने कोहरे के बीच दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार युवक और उसकी दो सगी बहनों को पहले पिकअप ने टक्कर मारी। इसके बाद ईंटों से लदे तेज रफ्तार ओवरलोड ट्रैक्टर ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, देवपालपुर गांव निवासी शिशुपाल अपनी बहन पूजा देवी और गायत्री देवी के साथ हरियाणा में रहकर नौकरी करते थे। रविवार की सुबह यह लोग वापस लहरपुर आए थे। यहां गांव के दो लोग अलग-अलग बाइकों से इन्हें लेने पहुंचे थे। लहरपुर से शिशुपाल अपनी दोनों बहनों को एक ही बाइक पर बैठा कर गांव जा रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, रिहार स्थित पेट्रोल पंप के पास घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार पिकअप ने पहले बाइक में टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। इसके बाद ईंटों से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के समय बाइक सवार किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था। हादसे के बाद सड़क पर शव पड़े देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप सिंह ने बताया कि हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

प्रदेश में फिर से सक्रिय हुआ एक और विक्षोभ, इन जिलों में बारिश के साथ कोहरे की चेतावनी जारी

अनप्लग इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। नए विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बारिश के आसार हैं। इसके बाद 16 से 18 नवंबर के बीच ठंडी पछुआ हवाएं चलने से तापमान में तीन से पांच डिग्री तक गिरावट आ सकती है। इससे ठंड बढ़ेगी। वहीं, रविवार से अगले पांच दिनों तक सुबह प्रदेश के कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। शनिवार सुबह भी प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ धुंध छंट गई, लेकिन कुछ इलाकों में दृश्यता काफी कम रही। बरेली में घना कोहरा होने से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। कुशीनगर में 50 मीटर, मेरठ में 80 मीटर, मुरादाबाद में 100 मीटर और आजमगढ़ में 200 मीटर दृश्यता दर्ज की गई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके असर से 15 नवंबर को पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद पहाड़ों से आ रही ठंडी पछुआ हवाओं से तापमान में गिरावट आएगी और सर्दी का असर बढ़ेगा।

शहर में नो-इन्ट्री प्लान लागू, मैदागिन, गोदौलिया से घाटों की तरफ नो व्हीकल जोन; जानें पार्किंग

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर वाराणसी कमिश्नरेट यातायात पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। शहर में उमड़ने वाली भारी भीड़ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने रविवार और सोमवार के लिए ट्रैफिक डायवर्जन और नो-इन्ट्री प्लान लागू किया है। एडीसीपी अंशुमान मिश्रा ने बताया कि गोदौलिया और दशाश्वमेध क्षेत्र में रूट डायवर्जन है। रामापुरा, बेनिया, मैदागिन, गोदौलिया और सोनारपुरा तिराहे से प्रमुख घाटों की तरफ सामान्य वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए सनातन धर्म इंटर कॉलेज, बेनिया पार्किंग, टाउनहॉल और हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है। अस्सी और भदऊ चुंगी क्षेत्र में भी डायवर्जन है। बैंक ऑफ बड़ौदा तिराहे से अस्सी चौराहे की ओर जाने वाले वाहनों को रवींद्रपुरी की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। वहीं, भदऊ चुंगी और राजघाट पुल तिराहे से भैंसासुर घाट व नमो घाट जाने वाले वाहनों को काशी स्टेशन पानी टंकी मैदान पार्किंग की ओर भेजा जाएगा। सामने घाट और विश्व सुंदरी पुल की तरफ रोक है। रामनगर और बिहार की ओर से आने वाले भारी वाहनों व बसों के लिए अलग पार्किंग स्थल तय किए गए हैं। बिहार से आने वाली प्राइवेट बसें स्वामी हरसेवानंद पब्लिक स्कूल के सामने मैदान में खड़ी होंगी। बीएलडब्ल्यू में सूर्य सरोवर के पास और अंबेडकर चौराहे से शास्त्री घाट की ओर वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। भारी वाहनों की नो-इन्ट्री शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी। भारी वाहनों के प्रवेश की छूट का समय रात 11 बजे से रात 2 बजे तक ही होगा और 2 बजे के बाद शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी सहायता या जानकारी के लिए ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 7317202020 या ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 7839856994 पर संपर्क किया जा सकता है।

रवि योग में अयोध्या आएंगे अखिलेश यादव, विपरीत राजयोग का भी बन रहा संयोग



अनप्लग इंडिया

अयोध्या। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की 12 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या यात्रा सियासी हलचल के साथ ज्योतिषीय चचाओं के केंद्र में भी है। अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि वह ग्रह-नक्षत्र देखकर अयोध्या आएंगे। ऐसे में उनकी यात्रा की तारीख को लेकर ज्योतिषीय गणनाएं भी चर्चा में हैं। ज्योतिषीय आकलन के अनुसार, यह दिन उन्हें राजनीतिक चर्चा और लाभ दिला सकता है, लेकिन इस लाभ के स्थायी होने पर संशय है।

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रवीण शर्मा के अनुसार, 12 दिसंबर शनिवार को उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा। इस दिन तृतीया और चतुर्थी तिथि का संयोग भी बनेगा। उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के स्वामी सूर्य और शनिवार के स्वामी शनि हैं। ऐसे में सूर्य और शनि का प्रभाव एक साथ रहने से दिन में मिश्रित ऊर्जा का संयोग बन रहा है। इस दिन रवि योग पूरे दिन प्रभावी रहेगा, जबकि सूर्योदय से सुबह 11:36 बजे तक जयद योग रहेगा। इसके बाद रिक्ता तिथि और शनिवार के संयोग से सम योग की स्थिति बनेगी। सूर्य और शनि के परस्पर विपरीत प्रभाव को विपरीत राजयोग के रूप में भी देखा जा रहा है। आचार्य प्रवीण के अनुसार, ज्योतिषीय गणना में इस यात्रा से अखिलेश यादव को राजनीतिक चर्चा और लाभ मिलने के संकेत हैं। यात्रा के दौरान उनका पक्ष और राजनीतिक गतिविधियां सुर्खियों में रह सकती हैं। हालांकि, विपरीत राजयोग के प्रभाव के चलते इस लाभ को स्थायी सफलता में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दर्शन के बाद साधु-संतों से करेंगे मुलाकात अखिलेश यादव अपने अयोध्या दौरे के दौरान रामनगरी के साधु-संतों से भी मुलाकात कर सकते हैं। वह सरयू तट स्थित प्राचीन पीठ करतलिया आश्रम भी जा सकते हैं। आश्रम के महंत बालयोगी रामदास ने बताया कि अखिलेश कई बार आश्रम आने का वादा कर चुके हैं। ऐसे में उनके अयोध्या दौरे के दौरान आगमन की उम्मीद है। यदि वह आते हैं तो उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा वह जानकीघाट बड़ास्थान मंदिर पहुंचकर साधु-संतों से आशीर्वाद भी ले सकते हैं।

टैबलेट के जरिए युवाओं को साधने की कोशिश, बजट में 2,374 करोड़ का प्रावधान; सीएम बोले-देने होंगे अवसर

अनप्लग इंडिया



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत युवाओं को 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरित करेगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 2,374.60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस चरण के पूरा होने के बाद योजना के तहत टैबलेट और स्मार्टफोन पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या करीब 85 लाख हो जाएगी। वर्ष 2021 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक करीब 60 लाख विद्यार्थियों को डिजिटल उपकरण दिए जा चुके हैं। योजना में उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण से जुड़े विद्यार्थी शामिल हैं। इसके अलावा एमएसएमई, निर्यात प्रोत्साहन और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के पात्र विद्यार्थियों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश में स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी योजना के दायरे में हैं। इसके लिए आय और आयु की कोई सीमा निर्धारित नहीं की गई है। टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम, डिजिटल लाइब्रेरी, ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर और वर्चुअल लैब जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और ऑनलाइन प्रशिक्षण हासिल करने में मदद मिलेगी। डिजिटल उपकरणों के जरिये युवाओं को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों से जुड़े पाठ्यक्रमों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा कोडिंग, डिजिटल डिजाइन और डेटा विश्लेषण जैसे कौशल सीखने में भी मदद मिल सकेगी। युवाओं को सरकारी योजनाओं, रोजगार और प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी देने के लिए युवा साथी पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल पर छात्रवृत्ति, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप, व्यावसायिक प्रशिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं और कॅरिअर काउंसिलिंग से संबंधित जानकारियां उपलब्ध हैं। विद्यार्थी यहां योजनाओं की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आगे बढ़ने के लिए युवाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं के उत्थान को लेकर अपने मनोभाव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रकट किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज का युवा अपनी प्रतिभा और परिश्रम से दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है। उसे केवल अवसर और आधुनिक संसाधन चाहिए। डबल इंजन सरकार की ओर से अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट प्रदान किए गए हैं। इसी क्रम में आज लखनऊ से 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रतिभा को तकनीक का साथ देने की कोई ठोस पहल नहीं की

मुख्यमंत्री ने कहाकि पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर प्रदेश में युवाओं के भविष्य की चिंता करने के बजाय उन्हें जाति, क्षेत्र और परिवारवाद की राजनीति में उलझाए रखा। उनकी प्रतिभा को तकनीक का साथ देने की कोई ठोस पहल नहीं हुई। 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट का होगा वितरण

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला। 'डिजिटल इंडिया' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के माध्यम से अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट प्रदान किए गए हैं। इसी यात्रा के अंतर्गत आज लखनऊ से 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।

प्रयास है कि प्रदेश का नौजवान मेहनत से सफलता की नई कहानी लिखे

मुख्यमंत्री योगी ने लिखा कि हमारा प्रयास है कि संसाधनों का अभाव किसी युवा की प्रतिभा के आड़े न आए और उत्तर प्रदेश का हर नौजवान अपनी मेहनत से सफलता की नई कहानी लिखे। सभी लाभार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

गोरखपुर में घर से 15 लाख रुपये की नकदी और जेवरात चोरी, छठ पर्व मनाने गांव गया था पूरा परिवार



अनप्लग इंडिया

गोरखपुर। गोरखपुर के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक घर से 15 लाख रुपये नकद और 400 ग्राम सोने के जेवरात उड़ा लिए। चोरी गए जेवरात की कीमत करीब 55 से 60 लाख रुपये बताई जा रही है। यह घटना शनिवार की रात जंगल अयोध्या प्रसाद के निकट पांडेय कालोनी स्थित शकुंतला निवास में हुई। चोरों ने अलमारी और तिजोरी का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। बेलघाट थाना क्षेत्र के डकई निवासी सूरज पांडेय और विपुल पांडेय इस मकान में अपने परिवार के साथ रहते हैं। वे राधेश्याम पांडेय के पुत्र हैं। घटना के समय सूरज पांडेय अपने परिवार के साथ छठ पर्व मनाने गांव गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 6 बजे वे गांव के लिए निकले थे। रविवार सुबह करीब 7 बजे सूरज पांडेय को मोबाइल पर घटना की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची रामगढ़ताल पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। डॉग स्क्वाड ने भी घटनास्थल पर खोजबीन की। पीड़ित परिवार और उनकी पृष्ठभूमि सूरज पांडेय और विपुल पांडेय रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के पांडेय टोला निकट जंगल अयोध्या प्रसाद के पास मकान बनवाकर रहते हैं। विपुल दुबई में एक कारोबार चलाते हैं। सूरज पांडेय ने बताया कि कैंपियरगंज में उनकी शराब की दो दुकानें हैं। परिवार छठ पर्व मनाने के लिए गांव गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। चोरी का विवरण और पुलिस की कार्रवाई चोरों ने अलमारी और लॉकर तोड़कर लगभग 15 लाख रुपये नकद चुराए। इसके साथ ही 400 ग्राम सोने के जेवरात भी ले गए।

16 नवंबर से प्रदेश में शुरू होगी स्वगणना की प्रक्रिया, एक दिसंबर से घर-घर जाएंगे जनगणना कर्मी



अनप्लग इंडिया

लखनऊ। यूपी में जनगणना-2027 के दूसरे चरण की स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) 16 नवंबर से शुरू होगी। इसके तहत लोग घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल पर अपने परिवार और सदस्यों से जुड़ी जानकारी खुद दर्ज कर सकेंगे। यह प्रक्रिया 30 नवंबर तक चलेगी। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना करेंगे।

प्रधान जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि स्वगणना के लिए भारत जाकर सबसे पहले उत्तर प्रदेश का चयन करना होगा। इसके बाद परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी जानकारी दर्ज करनी होगी। मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा। सत्यापन के बाद परिवार को अपनी पसंद की भाषा चुनकर आगे की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। स्वगणना करना अनिवार्य नहीं है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं करेंगे, उनके घर पहुंचकर गणनाकर्मी विवरण जुटाएंगे। एसईआईडी को रखना होगा सुरक्षित

स्वगणना के तहत फॉर्म भरकर जब सबमिट किया जाएगा तो एक विशेष स्वगणना पहचान संख्या (एसईआईडी) मिलेगी। इसको सुरक्षित रखना होगा। जब जनगणना कर्मी घर पहुंचेंगे तब उनको ये आईडी बतानी होगी। वह उसे सत्यापित करेंगे तब प्रक्रिया पूरी होगी। अगर फॉर्म नहीं भरा होगा तो जनगणना उसी वक्त फॉर्म भरवाकर प्रक्रिया पूरी कराएंगे। घर के मुखिया ही परिवार के सभी सदस्यों का ब्योरा भरेंगे।

निलंबित डाककर्मियों और कथित एजेंट समेत छह पर FIR, पत्नी बोली- खेती खरीदने में लगाया पैसा

अनप्लग इंडिया



कानपुर। घाटमपुर उप डाकघर में करोड़ों के घोटाले के बाद भी विभागीय अधिकारियों के पल्ला झाड़ने पर शनिवार को पीड़ित 24 खाताधारकों ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। सभी तहरीर मिलाकर कॉमन एफआईआर दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कथित एजेंट, उसकी बेटी, पत्नी बेटा, बहू के साथ डाकघर के अधिकारियों व कर्मचारियों समेत छह आरोपी बनाया गया है।

घोटाले का शिकार हुए खाताधारक धीरेंद्र कुमार शुक्ला, अवधेश कुमार शुक्ला, ओमप्रकाश मिश्रा, रामकुमार, मुन्नी देवी पत्नी ओमप्रकाश, बलराम, प्रह्लाद, राजेश समेत 24 लोगों ने शनिवार दोपहर थाने पहुंचकर उप डाकघर के अधिकारी और कर्मचारियों समेत कथित एजेंट शैलेंद्र पांडेय व एजेंसी धारक उसकी बेटी अनुष्का पर उप डाकघर में फजीर्वाड़ा करके करीब डेढ़ करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया है। रुपये जमा कराए गए, मुहर लगी पासबुक दी गई साथ ही शैलेंद्र, उसकी पत्नी अन्नपूर्णा, बेटी अनुष्का, बेटे विवेक व बहू अर्वतिका पर साक्ष्य जलाकर नष्ट करने का भी आरोप लगाया है। बताया कि उनसे रुपये जमा कराए गए, मुहर लगी पासबुक दी गई, अब उन पासबुकों को डाक विभाग ही फर्जी बता रहा है। बताया कि उन्होंने कैश काउंटर में पहुंचकर रुपये जमा किए थे, वहां पर भदरस निवासी शैलेंद्र पांडेय समेत अन्य डाक कर्मी भी उपस्थित थे। कानपुर डाकघर अधीक्षक ने दर्ज कराई प्राथमिकी पुलिस ने तहरीर के आधार पर गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। एसीपी कृष्णकांत ने बताया कि पीड़ितों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश में पुलिस की पांच टीमें जुटी हैं, जिनमें घाटमपुर, सजेती, रेऊना, साढ़ पुलिस भी शामिल है। कानपुर डाकघर अधीक्षक रवि कुमार की तरफ से थाने में तहरीर लेकर डाक इंस्पेक्टर पुखरायां निखिल शर्मा पहुंचे। मामले में दोनों को पूर्व में निलंबित किया जा चुका है तहरीर में बताया कि उन्हें आकांक्षा चौरसिया ने शिकायतपत्र देकर घाटमपुर में उनके पिता के खाते से 4.15 लाख रुपये, 2.98 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगाया था। शिकायत की जांच में तत्कालीन डाक सहायक शिवम सचान और सहायक उप डाकपाल राकेश कुमार मिश्रा की संलिप्तता पाई गई है। उन्होंने तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मालूम हो कि इसी मामले में दोनों को पूर्व में निलंबित किया जा चुका है। पति ने खेती खरीदने में लगाया पैसा घाटमपुर थाने में पूछताछ के लिए लाई गई कथित एजेंट शैलेंद्र पांडेय की पत्नी अन्नपूर्णा ने पुलिस को बताया कि पति ने खेती खरीदने में पैसा लगाया है। वह पैसा कहां का है यह उन्हें नहीं मालूम है। बताया कि शैलेंद्र डाकघर गए थे तब से घर नहीं लौटे हैं। बेटा विवेक पांडेय भी तब से घर नहीं आया है। दोनों कहां हैं, उन्हें नहीं मालूम है। जांच टीम के तीन सदस्य एएसपी उन्नाव एसएसतोमर, डाक इंस्पेक्टर बिल्हौर उत्कर्ष त्रिपाठी व इंस्पेक्टर पुखरायां निखिल शर्मा उप डाकघर शनिवार को पहुंचे। उन्होंने बताया कि ज्यादातर मामले फर्जी पासबुक व खाते से निकासी के हैं, जिन खातों से रकम निकाली गई है उनके बाउचर मंगाए गए हैं। इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि खाता धारक ने खुद बाउचर भरा है या किसी दूसरे द्वारा रकम निकाली गई है। फर्जी पासबुक वाले मामलों के बारे में उन्होंने कुछ कहने से इन्कार कर दिया।

छठ पर सफर मुश्किल: कन्फर्म टिकट के बाद भी पूरी सीट नसीब नहीं, ट्रेनों में बाथरूम तक पहुंचने में लग रहा एक घंटा

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। छठ महापर्व पर घर लौटने वालों की भीड़ ने ट्रेनों में सफर मुश्किल कर दिया है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, इंदौर और चेन्नई जैसे महानगरों से आने वाली ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच यात्रियों से खचाखच भरकर पहुंच रहे हैं। दो माह पहले कन्फर्म टिकट कराने वाले यात्रियों को भी पूरी सीट नसीब नहीं हो रही है। हालात ऐसे हैं कि कई यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल रही और उन्होंने खड़े-खड़े या जागकर सफर पूरा किया। बाथरूम तक पहुंचने में एक घंटा लग रहा है। कोचों में पानी खत्म होने और शिकायतों पर सुनवाई नहीं होने से परेशानी और बढ़ गई है। इंदौर से परिवार के साथ छठ मनाने पकड़ी गांव पहुंचे सत्यनारायण चौहान ने बताया कि एस-5 कोच में उनका टिकट डेढ़ माह पहले कन्फर्म हो गया था। इसके बावजूद पूजा के लिए घर लौटने वालों की भीड़ के चलते कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। वेटिंग टिकट वाले यात्री भी कोच में सवार हो गए थे। भीड़ इतनी अधिक थी कि बाथरूम जाने के लिए भी करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। रतसर निवासी राहुल भारद्वाज देवास से परिवार के साथ बी-2 एसी कोच में बलिया पहुंचे। उन्होंने बताया कि त्योहार के कारण एसी कोच की हालत भी जनरल डिब्बे जैसी हो गई थी। यात्रियों की भीड़ के चलते सफर करना मुश्किल रहा। उन्होंने कहा कि प्लेटफार्म पर पुलिस की मौजूदगी नहीं हो तो यात्रियों के लिए ट्रेन से सुरक्षित उतरना भी मुश्किल हो जाए। बांसडीह के चांदपुर निवासी दिनेश सिंह भी इंदौर-देवास से कामाख्या एक्सप्रेस से परिवार के साथ लौटे। उन्होंने बताया कि बलिया उतरना था, लेकिन कोच में इतनी भीड़ थी कि गाजीपुर से ही गेट की तरफ बढ़ना शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद बलिया स्टेशन पर उतर सके। उनके मुताबिक, बिना टिकट यात्री भी कोच में घुसकर सीटों पर बैठ जा रहे हैं। टीटीई चालान काटने के बाद आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन संबंधित यात्री कोच में ही दूसरे की सीट पर बैठा रहता है। त्योहार पर किसी तरह घर पहुंचना जरूरी था, इसलिए परेशानी के बावजूद यात्रा करनी पड़ी।

11 घंटे तक लेट पहुंचीं स्पेशल ट्रेनें छठ महापर्व पर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ के बीच रेल परिचालन भी बेपटरी हो गया है। स्पेशल और नियमित ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। छठ पर्व के एक दिन पूर्व शनिवार को रेलवे की अधिकारी एनटीईएस एप के अनुसार 13 से अधिक ट्रेनें दो से लेकर 11 घंटे तक विलंब से चल रही हैं। इससे स्टेशन पर यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे अधिक विलंब 04128 गुवाहाटी-मुंबई लोकमान्य तिलक स्पेशल ट्रेन रही, जो करीब 11 घंटे देरी से चल रही थी।

शादी की तैयारियों के बीच युवती लापता, तिलक के दो लाख रुपये और आभूषण भी गायब; पुलिस ने दर्ज किया केस

अनप्लग इंडिया



वाराणसी। घर में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। 26 नवंबर को तिलक की रस्म होनी थी और इसके लिए दो लाख रुपये से अधिक की नकदी के साथ आभूषण भी रखे गए थे। इसी बीच 20 वर्षीय युवती अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पिता का आरोप है कि बिहार के सिवान निवासी एक युवक उसे बहलाकर अपने साथ ले गया है। युवती के साथ तिलक के लिए रखे दो लाख एक हजार रुपये और सोने के आभूषण भी गायब हैं। पुलिस ने पिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। युवती के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी 12 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे अचानक घर से लापता हो गई। पहले परिवार के लोगों ने अपने स्तर से उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी पता लगाया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पिता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि थाना क्षेत्र के दो व्यक्तियों की मिलीभगत से बिहार के सिवान निवासी आदित्य निषाद उनकी बेटी को बहलाकर अपने साथ ले गया है। पिता के अनुसार, बेटी की शादी तय हो चुकी थी और 26 नवंबर को तिलक की रस्म होनी थी। इसके लिए घर में दो लाख एक हजार रुपये नकद रखे गए थे। आरोप है कि युवती घर से दो सोने की अंगूठियां और नाक, कान व गले के आभूषण भी अपने साथ ले गई है। बेटी के अचानक लापता होने और शादी के लिए रखी नकदी व आभूषण गायब होने से परिवार परेशान है। शादी की तैयारियां भी अधर में पड़ गई हैं। पीड़ित पिता ने 13 नवंबर को चौबेपुर थाने में प्रार्थना पत्र देकर बेटी की सकुशल बरामदगी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

60 साल की उम्र भी नहीं बनी राहत का आधार, हाईकोर्ट ने खारिज की अपील

अनप्लग इंडिया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी आरोपी की उम्र अधिक हो जाने मात्र से उसे परिवीक्षा (प्रोबेशन) पर रिहा करने का लाभ स्वतः नहीं दिया जा सकता। परिवीक्षा पर रिहाई की मांग पर विचार करते समय आरोपी की उम्र के साथ उसके पूर्व आपराधिक इतिहास, सामाजिक परिस्थितियों और सुधार की संभावना को भी ध्यान में रखना जरूरी है। अपराध की प्रकृति, हमले का तरीका और उसके परिणाम भी महत्वपूर्ण हैं। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति संतोष राय की एकलपीठ ने गंभीर चोट व मारपीट के मामले में 60 साल से अधिक उम्र के तीन दोषियों को राहत देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए शेष सजा भुगतने का निर्देश दिया है।

मामला फतेहपुर जिले के ललौली थाना क्षेत्र का वर्ष 1983 का है। जमीन पर निर्माण को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। आरोपियों ने लाठी-डंडों और अन्य कठोर वस्तुओं से हमला किया था। इसमें भदौवा नामक व्यक्ति की मौत हो गई थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को गंभीर चोट पहुंचाने का दोषी ठहराते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी।

इसके खिलाफ बाबूलाल, घसीटवा उर्फ घसीटा, रामदास और रामलाल ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील लंबित रहने के दौरान घसीटवा की मृत्यु हो गई।

अपीलार्थियों की ओर से दलील दी गई कि घटना के समय दोनों पक्षों के बीच जमीन का विवाद था और उन्हें झूठा फंसाया गया है। साथ ही, जीवित अपीलार्थियों की उम्र 60 साल से अधिक हो चुकी है। इसलिए उन्हें शेष सजा जेल में बिताने के बजाय परिवीक्षा पर रिहा करने का लाभ दिया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने घटना की गंभीरता को देखते हुए परिवीक्षा का लाभ देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट ने मौखिक और चिकित्सकीय साक्ष्यों का उचित मूल्यांकन नहीं किया था। कम से कम आरोपियों को गैर इरादतन हत्या के अपराध में दोषी ठहराए जाने पर विचार करना चाहिए था। कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए सजा बरकरार रखी।



सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाईं। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019 अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने



2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

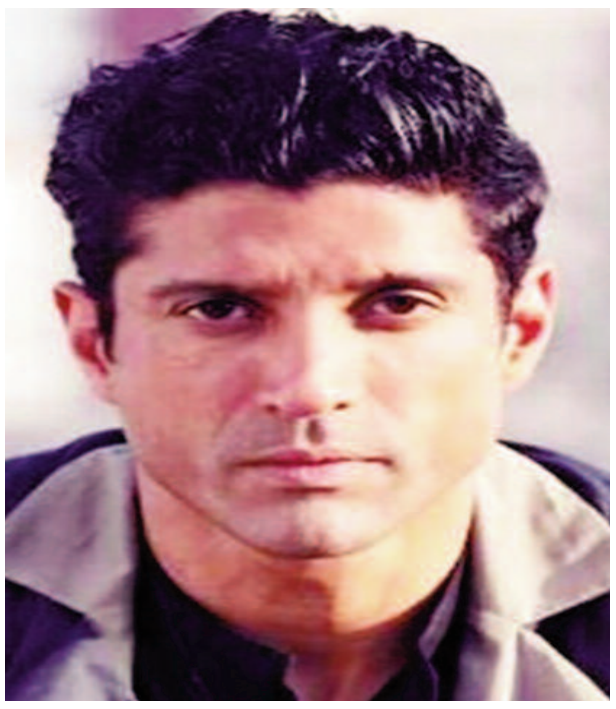
केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अे धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की



फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, ''''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।'' अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''



संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

सीएम योगी ने 25 लाख टैबलेट योजना का किया शुभारंभः सपा सरकार ने मुन्ना भाई पैदा किए



लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ी पहल की शुरुआत की है। लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 25 लाख युवाओं को टैबलेट वितरित करने की योजना का श्रीगणेश किया।

इस मौके पर, मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक रूप से 50 हजार छात्र-छात्राओं को टैबलेट सौंपे, जिसमें लखनऊ के साथ-साथ उन्नाव, सीतापुर और हरदोई जिलों के युवा भी शामिल थे। सीएम योगी ने अपनी इच्छा व्यक्त कर कहा कि वे स्वयं प्रत्येक लाभार्थी से मिलकर सेल्फी लेना चाहते थे, लेकिन योजना का विशाल आकार इस बात की अनुमति नहीं देता।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर कड़ा प्रहार कर कहा कि 2017 से पहले, सरकारी नौकरियों में चाचा-भतीजे वसूली करने निकल पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को नौकरी पाने के लिए न किसी सिफारिश की जरूरत है और न ही कोई रिश्वत देनी पड़ती है। हमारी सरकार ने युवाओं के सामने से पहचान का संकट समाप्त किया है।

योगी ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की पहचान बदली है। अब राज्य में ब्रह्मोस मिसाइल और कानपुर में राइफल जैसे उत्पादों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने माफिया द्वारा कब्जा की गई जमीन पर फोरेंसिक इंस्टीट्यूट के निर्माण का उदाहरण देकर कहा कि बुलडोजर भेजने पर माफिया भाग खड़े हुए। उन्होंने सपा सरकार पर मुन्ना भाई पैदा करने और परीक्षा कोई और देने तथा डिग्री कोई और लेने का आरोप भी लगाया। यह योजना, जो 2021 में शुरू हुई थी, इस चरण के पूरा होने के बाद कुल 85 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन प्रदान करेगी, जो डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक धमाके के दो आरोपी गिरफ्तार, इसमें एक महिला भी

- पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से पुकारते थे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुए रेलवे ट्रैक धमाके के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान एंटी-टेरर स्क्वाड, श्रीगंगानगर पुलिस और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान महकदीप कौर (21) और दविंदर सिंह (22) के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि महकदीप कौर पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स के संपर्क में थी। पुलिस ने बताया कि इनमें से एक हैंडलर को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से जाना जाता है। दोनों ने प्यार भरी बातों और पैसों का लालच देकर महकदीप को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब इसी तरह के तरीके अपना रही है। इससे पहले भी आईएसआई ने गंगानगर की रहने वाली बबीता नाम की एक महिला को इसी तरह अपने जाल में फंसाया था। महकदीप अपने पति से अलग रह रही थी, जो फिलहाल ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद है। जांच में यह भी पता चला है कि महकदीप को रेलवे ट्रैक पर धमाका करने के लिए पैसे दिए गए थे। पुलिस ने उसके पास से दो हथियार, 46 कारतूस और 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

राहुल गांधी ने निभाया वादाः बड़वानी की प्रियंका की आंख का दिल्ली में सफल ऑपरेशन

- छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने किया था वादा

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की प्रियंका सेंगर, जिनकी तीन साल की उम्र में दर्दनाक हादसे के दौरान आंख में चूना गिरने से एक आंख की रोशनी चली गई थी, अब एक सफल ऑपरेशन के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण यह इलाज मुमकिन नहीं हो पाया था। 19 सितंबर 2026 को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से संवाद करते हुए प्रियंका ने सरकारी छात्रावासों की बदहाली का मुद्दा उठाया। जब राहुल गांधी की नजर उनकी आंख पर पड़ी और उन्होंने प्रियंका की आपबीती सुनी, तब तुरंत उनके इलाज का पूरा खर्च उठाने और जिम्मेदारी लेने का वादा किया।



अपने वादे के कुछ ही दिनों बाद राहुल गांधी की टीम ने प्रियंका के परिवार से संपर्क किया। 27 सितंबर को प्रियंका अपने पिता उदय सिंह सेंगर और सामाजिक कार्यकर्ता सरदार नरगावे के साथ दिल्ली पहुंचीं। दिल्ली के इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल में जरूरी जांचों के बाद 1 अक्टूबर को उनकी आंख का सफल ऑपरेशन हुआ। कांग्रेस नेता पोरलाल खरते ने भी इस पूरी प्रक्रिया में सहयोग दिया। राहुल गांधी की ओर से आने-जाने के टिकट से लेकर अस्पताल के सभी खर्चों का वहन किया गया, जिससे परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। प्रियंका ने बताया कि अब उन्हें पहले से काफी बेहतर दिखाई दे रहा है, और भविष्य में आंख में लेंस भी प्रत्यारोपित किया जाएगा। इस मानवीय रिश्ते की एक और खूबसूरत तस्वीर 11 नवंबर 2026 को भाई दूज के दिन सामने आई। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी ने प्रियंका, उनके पिता और सरदार नरगावे से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने प्रियंका की तबीयत और आंख की स्थिति का हालचाल पूछा और दिलासा देते हुए कहा, किसी भी बात की चिंता मत करना, आपका भाई आपके साथ है। इस मुलाकात में प्रियंका ने अपनी व्यक्तिगत समस्या तक सीमित न रहकर छात्रों से जुड़े व्यापक मुद्दों जैसे छात्रवृत्ति, आवास, भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक पर भी चर्चा की।

अलग-अलग संगठनों में बैठे दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहें लोगः नितिन नबीन

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

रायगढ़ , एजेंसी । बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को लोगों से दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की और आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नबीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि पीएम मोदी ने देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया। केंद्र और राज्य सरकारें इस संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नबीन को इस कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान नहीं उतर सका, जिसके कारण उनका दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने सीएम विष्णु देव साय और उनकी



टीम को राज्य को नक्सलवाद से मुक्त बनाने के लिए बधाई दी। साथ ही, माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि उसने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोटों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में ही जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है। नबीन ने कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकारें आदिवासी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और यह तय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि चाहे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हो या विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली, हमारा मुख्य संकल्प आपके जीवन स्तर में बदलाव लाना और विकास की उस गति को तेज करना है, जो लंबे समय से रुकी हुई थी।

बीजेपी अध्यक्ष नबीन 18 को आएंगे पंजाब, समरसता संकल्प यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

- यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी, दलित समुदाय को साधने की स्ट्रैटेजी

अमृतसर ,एजेंसी। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन फिर पंजाब आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक नबीन 18 नवंबर को पंजाब आएंगे। अपने दौरे में वे गुरु रविदास महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जालंधर से आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। बता दें यह यात्रा जालंधर के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र डेरा सचखंड बल्लां से शुरू होगी और 3 दिसंबर को यूपी के वाराणसी में खत्म होगी। करीब 2,558 किमी लंबी यह यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा का मकसद गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे, मानव कल्याण और सद्भाव के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है। बीजेपी पंजाब में सिर्फ पॉलिटिकल रैलियों तक सीमित न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव बनाने की स्ट्रैटेजी अपना रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक नबीन के दौरे से पार्टी यह मैसेज देना चाहती है कि वह 2027 का चुनाव पूरी गंभीरता से लड़ेगी। पंजाब में अनुसूचित जाति की बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए बीजेपी गुरु रविदास की शिक्षाओं के जरिए दलित समुदाय में अपना सामाजिक आधार मजबूत करना चाहती है। साथ ही बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के वोट बैंक को मजबूत करने के लिए सामाजिक सद्भाव का दांव खेला है, जिसे पिछले चुनावों में अनुसूचित जाति के वोटरों का भारी समर्थन मिला था। पंजाब और वाराणसी दोनों ही गुरु रविदास महाराज के भक्तों के लिए आस्था के सबसे बड़े केंद्र हैं। बीजेपी जालंधर से होने वाली समरसता संकल्प यात्रा के जरिए दोनों राज्यों के दलित समुदाय को एकजुट करने की कोशिश कर रही है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवालः पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।



कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीदः जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com